दर्शनशास्त्र विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला

Department of Philosophy

School of Humanities and Social Sciences

स्नातक पाठ्यक्रम

दर्शनशास्त्र

Syllabus for Bachelor of Arts

Philosophy

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार

As per the National Education Policy 2020 Curriculum Framework

डॉ० हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

सागर, मध्यप्रदेश – 470003

Dr. Harisingh Gaur Vishwavidyalaya

(Central University)

Sagar, Madhya Pradesh – 470003

विभाग के बारे में

स्थापना: 18 जुलाई 1946

- दर्शनशास्त्र विभाग विश्वविद्यालय के सबसे पुराने विभागों में एक है। इसकी स्थापना विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस 18 जुलाई 1946 को ही हुई थी।
- इस विभाग के संस्थापक अध्यक्ष प्रो॰ शिव शंकर रॉय थे।
- विभाग ने वर्ष 1946 में स्नातक एवं 1950 में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किया गया।
- पीएच.डी. अध्ययन का कार्यक्रम वर्ष 1952 में शुरू किया गया।
- एम.फिल. अध्ययन का कार्यक्रम वर्ष 1990 में शुरू किया गया।
- प्रो॰ रासबिहारी दास, प्रो॰ एस.के. सक्सेना, प्रो॰ शिवजीवन भट्टाचार्य, प्रो॰ प्रतापचन्द्र, प्रो॰ अर्जुन मिश्र और प्रो॰ दयाकृष्ण जैसे प्रख्यात आचार्यों ने इस विभाग में अपनी सेवाएं दी हैं।
- देश में भारतीय दर्शन के उत्थान हेतु प्रो॰ अर्जुन मिश्र के निर्देशन में यू॰जी॰सी॰ द्वारा वित्तपोषित "भारतीय दर्शन बृहत्कोश" परियोजना के रूप में दर्शनशास्त्र विभाग का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

About the Department

Established: 18 July 1946

- The Department of Philosophy is one of the founding departments of the University. It was established on 18th July 1946 when the University was established.
- Prof. Shiva Shankar Roy was the founding Head of the philosophy department.
- The department started undergraduate course in philosophy in 1946 and postgraduate course in 1950.
- The PhD program was started in the year 1952.
- M.Phil. program was introduced in the year 1990.
- Eminent Professors like Prof. Rash Bihari Das, Prof. S.K. Saxena, Prof. Shivjivan Bhattacharya, Prof. Pratap Chandra, Prof. Arjun Mishra, and Prof. Daya Krishna have also served this department.
- The department has contributed to the study of Indian philosophy in the country in terms of "Bhartiya Brihat Darshanakosha" UGC project under the directorship of Prof. Arjun Mishra.

दृष्टि (विज़न)

भारतीय और भारतेतर दर्शनों में शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करना तथा आलोचनात्मक चिन्तन और नैतिक संवेदनशीलता को बढ़ावा देकर विद्यार्थियों के साथ सम्बन्ध प्रगाढ़ करना

VISION

Achieving Excellence in Teaching and Research in Indian as well as Non-Indian Philosophy and Strengthening the bond with Students through Promotion of Critical Thinking and Moral Sensitivity

उद्देश्य (मिशन)

- स्थापित वैश्विक मानकों और परम्पराओं के अनुसार दर्शनशास्त्र में अनुसंधान करना
- बहुविषयक शिक्षा के माध्यम से अन्वेषण की भावना का विकास करना
- वांछनीय परिक्षेत्रों में व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करना

MISSION

- Pursuing Research in Philosophy as per the Established Global Standards and Practices
- Developing the Spirit of Inquiry through Multidisciplinary Education
- Inspiring the Students to Achieving Excellence in Desirable Spheres of Individual and Collective Efforts

आधारभूत मूल्य

- शैक्षणिक सत्यनिष्ठा और दायित्वबोध
- विभिन्न दृष्टिकोणों के लिए सम्मान और सहिष्णुता
- राष्ट्रीय और वैश्विक महत्त्व के विषयों पर ध्यान
- बौद्धिक उत्कृष्टता और रचनात्मकता की सराहना
- समाजोपयोगी अनुसंधान की प्रवृत्ति

Core Values

- Academic Integrity and Accountability
- Respect and Tolerance for Various Perspectives
- Attention to the issues of National as well as Global Relevance
- Appreciation of Intellectual Excellence and Creativity
- Aptitude of Research with Social Utility

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर आधारित पाठ्यचर्या की रूपरेखा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने देश को आत्मनिर्भर और वैश्विक बनाने के लिए सम्पूर्ण रूप से सक्षम व्यक्तियों को विकसित करने की संकल्पना की है। इसी भावना के साथ हमने दर्शनशास्त्र विभाग में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक पाठ्यक्रम की रूपरेखा विकसित की है। इस नीति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए दर्शनशास्त्र विभाग ने विषय और अध्ययन की विधा को चुनने की स्वतंत्रता का अवसर उपलब्ध कराया है। अध्ययन की विधा के रचनात्मक संयोजन हेतु अकादमिक विकल्प के साथ-साथ प्रवेश और निकास के अनेक अवसर का भी प्रावधान किया गया है। विद्यार्थियों को आनुभविक अधिगम के साथ-साथ बहु-विषयक अध्ययन के अवसर प्रदान किये गये हैं। दर्शन की विधा में दिन-प्रतिदिन उपयोग में आने वाले व्यावहारिक ज्ञान के प्रशिक्षण पर बल दिया गया है।

Curriculum outline based on the National Education Policy-2020

The National Education Policy-2020 envisages developing well-rounded individuals to make the country self-reliant and global. It is in this spirit that we have developed a curriculum framework in the Department of Philosophy to incorporate the goals of the National Education Policy-2020. To achieve the objectives of the National Education Policy, the Department of Philosophy has provided the opportunity of freedom to choose the subject and mode of study. Along with academic options, provision has been made for creative combination of modes of study as well as multiple entry and exit opportunities. Students have been provided opportunities for experiential learning as well as multidisciplinary study. In the discipline of philosophy, emphasis has been laid on the training of practical knowledge that is used in day-to-day life.

दर्शनशास्त्र पाठ्यक्रम के उद्देश्य

पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी:

1. दर्शन की विभिन्न धाराओं में निहित व्यापक विचारों को समझ सकेंगे।
2. नीतिशास्त्र, ज्ञानमीमांसा, तत्वमीमांसा, सौंदर्यशास्त्र और तर्कशास्त्र की मूल विषय-वस्तु को समझ सकेंगे।
3. दर्शनशास्त्र में प्रतिपादित अवधारणाओं, सिद्धांतों और तकनीकों का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।
4. संभावित समाधान खोजने के लिए सामाजिक वास्तविकताओं और समस्याओं को समझने के लिए दार्शनिक अंतर्दृष्टि का उपयोग कर सकेंगे।
5. दर्शनशास्त्र की पद्धति और मूलभूत प्रकृति को समझकर उसका मूल्यांकन कर सकेंगे।
6. दर्शनशास्त्र और अन्य विषयों के बीच अन्तर्सम्बन्ध को पहचान सकेंगे।
7. मौलिक दार्शनिक ग्रंथों को समझने का प्रयास कर सकेंगे।
8. विभिन्न संस्कृतियों में विकसित दार्शनिक विधाओं को समझ सकेंगे।
9. दार्शनिक ज्ञान का जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग कर सकेंगे।
10. दर्शनशास्त्र में शोध विषयों और प्रश्नों की पहचान कर सकें और उन्हें कुशलता के साथ प्रस्तुत कर सकेंगे।
11. आधुनिक युग की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय समस्याओं का दार्शनिक विश्लेषण करके समाधान प्रस्तुत कर सकेंगे।
12. ज्ञान की परम्परा का संरक्षण एवं संवर्धन करते हुये समाज के विकास में योगदान दे सकेंगे।

Philosophy Program Objectives

After successful completion of the Program, students will be able to:

1. Understand the broad ideas contained in various streams of philosophy.
2. Understand the basic subject matter of ethics, epistemology, metaphysics, aesthetics, and logic.
3. Critically analyze the concepts, theories, and techniques propounded in philosophy.
4. Use philosophical insights to understand social realities and problems to find possible solutions.
5. Understand the methodology and basic nature of philosophy and evaluate it.
6. Recognize the interrelationships between philosophy and other subjects.
7. Understand the fundamental philosophical texts.
8. Understand the philosophical insights developed in different cultures.
9. Use philosophical knowledge in different spheres of life.
10. Identify research topics and questions in philosophy and present them efficiently.
11. Philosophically analyze and present solutions to social, political, economic, cultural, and environmental problems of the modern era.
12. Contribute to the development of society by preserving and promoting the tradition of knowledge.

पाठ्यक्रम के विशिष्ट उद्देश्य

1. इस पाठ्यक्रम के स्नातकों को विभिन्न दार्शनिक परंपराओं से संबंधित अवधारणाओं और सिद्धांतों को समझने के लिए अपने कौशल को विकसित और संस्कृत करने के लिए तैयार किया जाएगा।
2. इस पाठ्यक्रम के स्नातकों को भारतीय ज्ञान परंपरा से प्रेरित सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान करने की योग्यता के साथ दार्शनिक समस्याओं का विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक परीक्षण करने में सक्षम बनाया जाएगा।
3. इस पाठ्यक्रम के स्नातक विभिन्न सामाजिक और नैतिक संदर्भों में विश्लेषणात्मक सोच और तार्किक क्षमता का उपयोग करने में सक्षम होंगे।

Program Specific Objectives

1. Graduates of this course will be prepared to develop and hone their skills to understand concepts and theories related to different philosophical traditions.
2. Graduates of this course will be prepared to analytically, and critically examine philosophical problems with the ability to conduct socially relevant research inspired by the Indian knowledge tradition.
3. Graduates of this course will be able to use analytical thinking and logical abilities in various social and ethical contexts.

पाठ्यक्रम-संरचना (Structure of the Program)

स्तर – 5 (Level - 5) प्रथम वर्ष (सेमेस्टर I) First Year (Semester I)						
पाठ्यक्रम की प्रकृति **Nature of Course**	**विषय कोड** **Course Code**	**विषय शीर्षक** **Course Title**	**क्रेडिट Credits**			
			L	**T**	**P**	**C**
Discipline Specific Major	**PHL-DSM-111**	आधारभूत भारतीय दर्शन Fundamentals of Indian Philosophy	**5**	**1**	**0**	**6**
Multi-Disciplinary Major	**PHL-MDM-111**	भारतीय दर्शन के आधारभूत तत्व Essentials of Indian Philosophy	**5**	**1**	**0**	**6**
Ability Enhancement Course	**PHL-AEC-111**	तर्कशास्त्र एवं वैज्ञानिक पद्धति Logic and Scientific Method	**2**	**0**	**0**	**2**
कुल (अन्य दो विषयों सहित) Total (Including other two Subjects)			**20**			

स्तर – 5 (Level - 5) प्रथम वर्ष (सेमेस्टर II) First Year (Semester II)						
पाठ्यक्रम की प्रकृति	**विषय कोड**	**विषय शीर्षक**	**क्रेडिट**			
			L	**T**	**P**	**C**
Discipline Specific Major	**PHL-DSM-211**	आधारभूत पाश्चात्य दर्शन Fundamentals of Western Philosophy	**5**	**1**	**0**	**6**
Multi-Disciplinary Major	**PHL-MDM-211**	पाश्चात्य दर्शन के आधारभूत तत्व Essentials of Western Philosophy	**5**	**1**	**0**	**6**
Skill Enhancement Course	**PHL-SEC-211**	भारतीय मूल की धर्म-परम्पराएँ Dharma-Traditions of Indian Origin	**2**	**0**	**0**	**2**
कुल (अन्य दो विषयों सहित) Total (Including other two Subjects)			**20**			

L-5 Exit with Undergraduate Certificate

स्तर – 6 (Level - 6) द्वितीय वर्ष (सेमेस्टर III) Second Year (Semester III)						
पाठ्यक्रम की प्रकृति Nature of Course	विषय कोड Course Code	विषय शीर्षक Course Title	क्रेडिट Credits			
			L	T	P	C
Discipline Specific Major	PHL-DSM-311	भारतीय नीतिशास्त्र Indian Ethics	**5**	**1**	**0**	**6**
Multi-Disciplinary Major	PHL-MDM-311	भारतीय नैतिक चिन्तन की प्रमुख धाराएँ Major Streams of Indian Moral Thinking	**5**	**1**	**0**	**6**
Ability Enhancement Course	PHL-AEC-311	भारतीय वाद-विधि एवं तर्क की कला Indian Argumentative Tradition and the Art of Debate	**2**	**0**	**0**	**2**
कुल (अन्य दो विषयों सहित) Total (Including other two Subjects)			**20**			

स्तर – 6 (Level - 6) द्वितीय वर्ष (सेमेस्टर IV) Second Year (Semester IV)						
पाठ्यक्रम की प्रकृति	विषय कोड	विषय शीर्षक	क्रेडिट			
			L	T	P	C
Discipline Specific Major	PHL-DSM-411	पाश्चात्य नीतिशास्त्र Western Ethics	**5**	**1**	**0**	**6**
Multi-Disciplinary Major	PHL-MDM-411	पाश्चात्य नैतिक चिन्तन एवं अनुप्रयोग Western Moral Thinking and its Applications	**5**	**1**	**0**	**6**
Skill Enhancement Course	PHL-SEC-411	सेमेटिक मूल की धर्म-परम्पराएँ Semitic Religious Traditions	**2**	**0**	**0**	**2**
कुल (अन्य दो विषयों सहित) Total (Including other two Subjects)			**20**			

L-6 Exit with Undergraduate Diploma

स्तर – 7 (Level - 7) तृतीय वर्ष (सेमेस्टर V) Third-Year (Semester V)						
पाठ्यक्रम की प्रकृति **Nature of Course**	**विषय कोड** **Course Code**	**विषय शीर्षक** **Course Title**	**क्रेडिट Credits**			
			L	**T**	**P**	**C**
Discipline Specific Major	PHL-DSM-511	भारतीय धर्म दर्शन Indian Philosophy of Religion	**5**	**1**	**0**	**6**
Multi-Disciplinary Major	PHL-MDM-511	मानवीय मूल्य और वृत्तिपरक नीतिशास्त्र Human Values and Professional Ethics	**5**	**1**	**0**	**6**
Ability Enhancement Course	PHL-AEC-511	पर्यावरणीय नीतिशास्त्र Environmental Ethics	**2**	**0**	**0**	**2**
कुल (अन्य दो विषयों सहित) Total (Including other two Subjects)			**20**			

स्तर – 7 (Level - 7) तृतीय वर्ष (सेमेस्टर VI) Third-Year (Semester VI)						
पाठ्यक्रम की प्रकृति **Nature of Course**	**विषय कोड** **Course Code**	**विषय शीर्षक** **Course Title**	**क्रेडिट Credits**			
			L	**T**	**P**	**C**
Discipline Specific Major	PHL-DSM-611	पश्चिमी धर्म दर्शन Western Philosophy of Religion	**5**	**1**	**0**	**6**
Multi-Disciplinary Major	PHL-MDM-611	मानवाधिकार अध्ययन की दार्शनिक आधारशिला Philosophical Foundation of the Study of Human Rights	**5**	**1**	**0**	**6**
Skill Enhancement Course	PHL-SEC-611	अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र Applied Ethics	**2**	**0**	**0**	**2**
कुल (अन्य दो विषयों सहित) Total (Including other two Subjects)			**20**			

L-7 Exit with Undergraduate Degree

मूल्यांकन :

- कार्यक्रम में विद्यार्थी का मूल्यांकन कार्यक्रम की पूरी अवधि के दौरान एक रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन यानी मिड प्रथम एवं मिड द्वितीय और अंतिम सेमेस्टर परीक्षाओं में किया जोयगा।
- अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में बैठने के योग्य होने के लिए विद्यार्थी को कक्षा में 75% उपस्थित के साथ दोनों मध्य-सेमेस्टर परीक्षाओं में उपस्थित होना आवश्यक है।
  परीक्षा योजना इस प्रकार होगी:

सेमेस्टर परीक्षा	अंक विभाजन
मिड प्रथम	20
मिड द्वितीय	20
अंतिम सेमेस्टर परीक्षा	60
कुल	100

Evaluation:

- Students in the program will be assessed through a formative and summative assessment throughout the duration of the program i.e. Mid-First, Mid-Second and End Semester examinations.
- To be eligible to appear for the End Semester examination, the student must appear in both the Mid-Semester examinations with 75% attendance in the class.

Semester Exam	Digit division
Mid-I	20
Mid-II	20
End Semester Exam	60
Total	100

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण (**Details of the Syllabus)**

Semester-I

स्तर (Level)	**सेमेस्टर** (Semester)	**विषय कोड** (Course Code)	**विषय शीर्षक** (Course Title)	**क्रेडिट** (Credits)				**अंक** (Marks)		
				L	T	P	C	**आन्तरिक मूल्यांकन** (Internal Assessment)		**बाह्य मूल्यांकन** (External Assessment)
								Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)
L5	I	PHL-DSM-111	आधारभूत भारतीय दर्शन Fundamentals of Indian Philosophy	5	1	0	6			

90 **व्याख्यान/घंटा** ((90 lectures/hours)

हिन्दी	**English**
1. **पाठ्यक्रम उद्देश्य:** इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय दर्शन के प्रमुख सम्प्रदायों के आधारभूत तत्वों का परिचय कराना है। 2. **अपेक्षित अधिगम परिणाम:** इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी प्रमुख भारतीय दार्शनिक सम्प्रदायों के मौलिक सिद्धान्तों और जीवनमूल्यों से परिचित हो जायेंगे।	1. **Learning Objectives:** Through this course, students are to be introduced the basic elements of the major schools of Indian philosophy. 2. **Course Learning Outcomes:** After undergoing this course, the student will become familiar with the fundamental principles and values of life inherent in the major Indian philosophical schools.
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी (i) दर्शन की अवधारणा एवं भारतीय दर्शन की सामान्य विशेषताओं से परिचित हो जाएंगे। (ii) सांख्य दर्शन की तत्वमीमांसा एवं योग दर्शन सम्बन्धी महत्वपूर्ण बातों को सीख लेंगे। (iii) न्याय दर्शन की ज्ञानमीमांसा एवं वैशेषिक दर्शन की तत्वमीमांसा से परिचित हो जाएंगे। (iv) को बौद्ध एवं जैन दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का बोध हो जाएगा। (v) को मीमांसा एवं वेदान्त दर्शन की प्रमुख मान्यताओं एवं सिद्धान्तों का ज्ञान होगा।	After successfully completing this course, students (i) Will become familiar with the concept of philosophy and general characteristics of Indian philosophy. (ii) Will learn important things related to metaphysics of Sankhya philosophy and Yoga philosophy. (iii) Will become familiar with the epistemology of Nyaya philosophy and the metaphysics of Vaisheshika philosophy. (iv) Will understand the main principles of Buddhist and Jaina

	philosophy. (v) Will have knowledge of the main beliefs and principles of Mimamsa and Vedanta philosophy.
विषय वस्तु **इकाई 1: प्रस्तावना** दर्शन की भारतीय अवधारणा, भारतीय दर्शन की दो धाराएँ, भारतीय दार्शनिक सम्प्रदायों का उदय, भारतीय दर्शन की सामान्य विशेषताएँ (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 2: सांख्य-योग दर्शन** सांख्य दर्शन – दुःखत्रय, प्रकृति, पुरुष, विकासवाद, बन्धन एवं कैवल्य योग दर्शन – योग की अवधारणा, चित्त की भूमियाँ, चित्तवृत्तियाँ, अष्टांगयोग (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 3: न्याय-वैशेषिक दर्शन** प्रमाण-चतुष्टय, सप्त-पदार्थी तत्वमीमांसा, अपवर्ग-विचार (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 4: बौद्ध एवं जैन दर्शन** बौद्ध दर्शन – चार आर्य-सत्य, प्रतीत्यसमुत्पाद, क्षणिकवाद, नैरात्म्यवाद, निर्वाण जैन दर्शन – द्रव्य, अनेकान्तवाद, कैवल्य (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 5: मीमांसा एवं वेदान्त दर्शन** मीमांसा दर्शन – वेद की अपौरुषेयता, अपूर्व, प्रमाण्यवाद अद्वैत वेदान्त – ब्रह्म की अवधारणा, मायावाद, बन्धन-मोक्ष (18 व्याख्यान/घंटा)	Course Content **Unit I: Introduction** Indian concept of philosophy, two streams of Indian philosophy, Rise of Indian philosophical schools, General characteristics of Indian philosophy (18 lectures/hours) **Unit II: Sankhya-yoga philosophy** Sankhya philosophy – Suffering, Prakriti, Purusha, Evolution, Bandhan and Kaivalya Yoga Philosophy – Concept of Yoga, States of Citta, Functions of Citta, Ashtanga Yoga (18 lectures/hours) **Unit III: Nyaya-Vaisheshika philosophy** Pramana-Chatushtaya, Sapta-Padarthi Tattvamimamsa, Apavarga-Vichara (18 lectures/hours) **Unit IV: Buddhist and Jaina philosophy** Buddhist philosophy – Four Noble Truths, Pratityasamutpada, Momentariness, Selflessness, Nirvana Jaina Philosophy – Substance, Anekantavada, Kaivalya (18 lectures/hours) **Unit V: Mimamsa and Vedanta philosophy** Mimamsa Darshana – Impersonality of Vedas, Unprecedented, Theory of Justification Advaita Vedanta – Concept of Brahma, Mayavada, Bondage-Liberation

	(18 lectures/hours)
आधारभूत पुस्तकें:	**Essential Readings:**
1. भारतीय दर्शन, चटर्जी एवं दत्त, हिन्दी अनुवाद, पुस्तक भण्डार पब्लिशिंग हाऊस, मेरठ, 2020	1. भारतीय दर्शन, चटर्जी एवं दत्त, हिन्दी अनुवाद, पुस्तक भण्डार पब्लिशिंग हाऊस, मेरठ, 2020
2. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना, हिन्दी अनुवाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1973	2. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना, हिन्दी अनुवाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1973
3. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, एम.एल.बी.डी. पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1963	3. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, एम.एल.बी.डी. पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1963
4. भारतीय दर्शन : आलोचन एवं अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, एम.एल.बी.डी. पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2013	4. भारतीय दर्शन : आलोचन एवं अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, एम.एल.बी.डी. पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2013
5. भारतीय दर्शन, सम्पा. नन्दकिशोर देवराज, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1950	5. भारतीय दर्शन, सम्पा. नन्दकिशोर देवराज, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1950
6. An Introduction to Indian Philosophy, Chatterjee & Datta University of Calcutta, 1948	6. An Introduction to Indian Philosophy, Chatterjee & Datta University of Calcutta, 1948
7. Outline of Indian Philosophy, M. Hiriyanna, MLBD Publishers, New Delhi, 2014	7. Outline of Indian Philosophy, M. Hiriyanna, MLBD Publishers, New Delhi, 2014
8. Critical Survey of Indian Philosophy, C.D. Sharma, MLBD Publishers, New Delhi, 2013	8. Critical Survey of Indian Philosophy, C.D. Sharma, MLBD Publishers, New Delhi, 2013
9. Fundamentals of Indian Philosophy, R. Puligandla, DK Printworld, New Delhi, 2008	9. Fundamentals of Indian Philosophy, R. Puligandla, DK Printworld, New Delhi, 2008
प्रस्तावित पुस्तकें:	**Suggested Readings:**
1. सर्वदर्शन संग्रह, माधवाचार्य, हिन्दी अनु. उमाशंकर ऋषि, चौखम्भा, विद्या भवन, वाराणसी, 2008	1. सर्वदर्शन संग्रह, माधवाचार्य, हिन्दी अनु. उमाशंकर ऋषि, चौखम्भा, विद्या भवन, वाराणसी, 2008
2. केन्द्रीय बौद्ध दर्शन, टी.आर.व्ही. मूर्ति (द्वितीय अध्याय : भारतीय दर्शन की दो परम्पराएँ) हिन्दी अनुवाद, सच्चिदानन्द मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली, 2020	2. केन्द्रीय बौद्ध दर्शन, टी.आर.व्ही. मूर्ति (द्वितीय अध्याय : भारतीय दर्शन की दो परम्पराएँ) हिन्दी अनुवाद, सच्चिदानन्द मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली, 2020
3. The Central Philosophy of Buddhism, T.R.V. Murti (Second Chapter : Two Traditions of Indian Philosophy) MLBD, Publishers, New Delhi, 2015	3. The Central Philosophy of Buddhism, T.R.V. Murti (Second Chapter : Two Traditions of Indian Philosophy) MLBD, Publishers, New Delhi, 2015
4. Rise of Indian Philosophical Schools, Studies in Indian Thought (Collected Papers of T.R.V. Murti) Edited by Harold G. Coward, MLBD, Delhi, 1996	4. Rise of Indian Philosophical Schools, Studies in Indian Thought (Collected Papers of T.R.V. Murti) Edited by Harold G. Coward, MLBD, Delhi, 1996

स्तर (Level)	सेमेस्टर (Semester)	विषय कोड (Course Code)	विषय शीर्षक (Course Title)	क्रेडिट (Credits) L	T	P	C	अंक (Marks)		
								आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment)		बाह्य मूल्यांकन (External Assessment)
								Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)
L5	I	PHL-MDM-111	भारतीय दर्शन के आधारभूत तत्व Essentials of Indian Philosophy	5	1	0	6			

90 **व्याख्यान/घंटा** ((90 lectures/hours)

हिन्दी	English
1. **पाठ्यक्रम उद्देश्य:** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय दर्शन का परिचयात्मक ज्ञान कराना है। 2. **अपेक्षित अधिगम परिणाम:** इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय दर्शन के मूल्यों और सिद्धान्तों से परिचित होंगे।	1. **Learning Objectives:** Through this course, students are to be given introductory knowledge of Indian philosophy. 2. **Course Learning Outcomes:** Through this course, the students will become familiar with the values and principles of Indian philosophy.
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी (i) दर्शन की अवधारणा, विभिन्न भारतीय दार्शनिक शाखाओं एवं उसकी विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे। (ii) यथार्थ एवं अयथार्थ ज्ञान के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे। (iii) प्रमा (यथार्थ ज्ञान) की सिद्धि के विभिन्न प्रमाणों से परिचित हो सकेंगे। (iv) को कारणतावाद एवं तत्त्वमीमांसीय अवधारणाओं का बोध हो जाएगा। (v) जैन एवं बौद्ध नीतिशास्त्रीय व्यवहारिक सिद्धान्तों से परिचित हो सकेंगे और इन्हें आचरण में उतार सकेंगे।	After successfully completing this course, students (i) Will be able to become familiar with the concept of philosophy, various Indian philosophical branches and its characteristics. (ii) Will be able to become familiar with the nature of real and unreal knowledge. (iii) Will be able to become familiar with various proofs of the attainment of Prama (true knowledge). (iv) Will understand the concepts of causality and metaphysics. (v) Will become familiar with the practical principles of Jaina and Buddhist ethics and will be able to put them into practice.
विषय वस्तु **इकाई 1: भारतीय दर्शन का परिचय** दर्शन की भारतीय अवधारणा	Course Content **Unit I: Introduction to Indian Philosophy** Indian concept of philosophy

भारतीय दर्शनों के विभाजन का आधार भारतीय दर्शन की प्रमुख विशेषताएँ (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 2: ज्ञानमीमांसा** ज्ञान का स्वरूप, प्रामाण्यवाद प्रमा की अवधारणा एवं प्रकार अप्रमा एवं इसके भेद (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 3: प्रमा के साधन** प्रमाण का स्वरूप षड्विध प्रमाण (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 4: तत्वमीमांसा** आत्मा की अवधारणा – न्याय, अद्वैत वेदान्त एवं बौद्ध मत कारणता के सिद्धान्त – सत्कार्यवाद, असत्कार्यवाद, प्रतीत्यसमुत्पाद ईश्वर विचार – न्याय दर्शन (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 5: नीति दर्शन** भगवद्गीता का कर्मयोग बौद्ध नीतिशास्त्र का परिचय जैन नीतिशास्त्र का परिचय (18 व्याख्यान/घंटे)	Grounds of the division of Indian philosophies Main features of Indian philosophy (18 lectures/hours) **Unit II: Epistemology** Nature of knowledge, Theory of Justification Concept of Prama and its types Aprama and its Kinds (18 lectures/hours) **Unit III:** Means of Prama Nature of Pramana Six kinds of Pramana (18 lectures/hours) **Unit IV: Metaphysics** Concept of Soul – Nyaya, Advaita Vedanta and Buddhism Theories of causality – Satkaryavada, Asatkaryavada, Pratityasamutpada Idea of God – Nyaya Philosophy (18 lectures/hours) **Unit V: Moral Philosophy** Karmayoga of Bhagavadgita Introduction to Buddhist Ethics Introduction to Jaina Ethics (18 lectures/hours)
आधारभूत पुस्तकें: 1. भारतीय दर्शन, चटर्जी एवं दत्त, हिन्दी अनुवाद, पुस्तक भण्डार पब्लिशिंग हाऊस, मेरठ, 2020 2. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना, हिन्दी अनुवाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,	**Essential Readings:** 1. भारतीय दर्शन, चटर्जी एवं दत्त, हिन्दी अनुवाद, पुस्तक भण्डार पब्लिशिंग हाऊस, मेरठ, 2020 2. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना, हिन्दी अनुवाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1973

1973 3. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, एम.एल.बी.डी. पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1963 4. भारतीय दर्शन : आलोचन एवं अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, एम.एल.बी.डी. पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2013 5. भारतीय दर्शन, सम्पा. नन्दकिशोर देवराज, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1950 6. An Introduction to Indian Philosophy, Chatterjee & Datta University of Calcutta, 1948 7. Outline of Indian Philosophy, M. Hiriyanna, MLBD Publishers, New Delhi, 2014 8. Critical Survey of Indian Philosophy, C.D. Sharma, MLBD Publishers, New Delhi, 2013 9. Fundamentals of Indian Philosophy, R. Puligandla, DK Printworld, New Delhi, 2008 **प्रस्तावित पुस्तकें:** 1. सर्वदर्शन संग्रह, माधवाचार्य, हिन्दी अनु. उमाशंकर ऋषि, चौखम्भा, विद्या भवन, वाराणसी, 2008 2. केन्द्रीय बौद्ध दर्शन, टी.आर.व्ही. मूर्ति (द्वितीय अध्याय : भारतीय दर्शन की दो परम्पराएँ) हिन्दी अनुवाद, सच्चिदानन्द मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली, 2020 3. The Central Philosophy of Buddhism, T.R.V. Murti (Second Chapter : Two Traditions of Indian Philosophy) MLBD, Publishers, New Delhi, 2015 4. Rise of Indian Philosophical Schools, Studies in Indian Thought (Collected Papers of T.R.V. Murti) Edited by Harold G. Coward, MLBD, Delhi, 1996	3. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, एम.एल.बी.डी. पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1963 4. भारतीय दर्शन : आलोचन एवं अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, एम.एल.बी.डी. पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2013 5. भारतीय दर्शन, सम्पा. नन्दकिशोर देवराज, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1950 6. An Introduction to Indian Philosophy, Chatterjee & Datta University of Calcutta, 1948 7. Outline of Indian Philosophy, M. Hiriyanna, MLBD Publishers, New Delhi, 2014 8. Critical Survey of Indian Philosophy, C.D. Sharma, MLBD Publishers, New Delhi, 2013 9. Fundamentals of Indian Philosophy, R. Puligandla, DK Printworld, New Delhi, 2008 **Suggested Readings:** 1. सर्वदर्शन संग्रह, माधवाचार्य, हिन्दी अनु. उमाशंकर ऋषि, चौखम्भा, विद्या भवन, वाराणसी, 2008 2. केन्द्रीय बौद्ध दर्शन, टी.आर.व्ही. मूर्ति (द्वितीय अध्याय : भारतीय दर्शन की दो परम्पराएँ) हिन्दी अनुवाद, सच्चिदानन्द मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली, 2020 3. The Central Philosophy of Buddhism, T.R.V. Murti (Second Chapter : Two Traditions of Indian Philosophy) MLBD, Publishers, New Delhi, 2015 4. Rise of Indian Philosophical Schools, Studies in Indian Thought (Collected Papers of T.R.V. Murti) Edited by Harold G. Coward, MLBD, Delhi, 1996

स्तर (Level)	सेमेस्टर (Semester)	विषय कोड (Course Code)	विषय शीर्षक (Course Title)	क्रेडिट (Credits)				अंक (Marks)		
				L	T	P	C	आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment)		बाह्य मूल्यांकन (External Assessment)
L5	I	PHL-AEC-111	तर्कशास्त्र एवं वैज्ञानिक पद्धति **Logic and Scientific Method**	2	0	0	2	Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)

30 व्याख्यान/घंटा ((30 lectures/hours)

हिन्दी	English
1. **पाठ्यक्रम उद्देश्य:** इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को तर्क एवं वैज्ञानिक पद्धति के स्वरूप से परिचय कराया जायेगा तथा उनकी संप्रेषण शक्ति को गुणवत्तापूर्ण बनाने का प्रयास होगा। 2. **अपेक्षित अधिगम परिणाम:** इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों में तार्किक एवं आलोचनात्मक चिन्तन की प्रवृत्ति का विकास होगा।	1. **Learning Objectives:** Through this course, students will be introduced to the nature of logic and scientific method and efforts will be made to make their communication skills effective. 2. **Course Learning Outcomes:** The students will develop the tendency of logical and critical thinking through this course.
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी (i) तर्क एवं विचार के आधारभूत तत्त्वों को जानेंगे। (ii) भाषा की संप्रेषण शक्ति के अनेक आयामों से परिचित होंगे। (iii) तर्क के आगमनात्मक एवं निगमनात्मक स्वरूप का अवगाहन करने में सक्षम होंगे। (iv) में प्राक्कल्पना और वैज्ञानिक प्रविधि के प्रति समझ बढ़ेगी। (v) तर्कशास्त्र एवं अन्य विधाओं में सम्बन्ध देख पाएंगे।	After successfully completing this course, students (i) Will know the basic elements of logic and thought. (ii) Will be familiar with many dimensions of the communicative power of language. (iii) Will be able to understand the inductive and deductive nature of logic. (iv) Will enhance their understanding of hypothesis and scientific methodology. (v) Will be able to see the connection between logic and other disciplines.
विषय वस्तु **इकाई I: तर्कशास्त्र परिचय**	Course Content **Unit I: Introduction to logic**

परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र, कला के रूप में तर्कशास्त्र विचार के मौलिक नियम – तादात्म्य के नियम, व्याघात के नियम, मध्यम-परिहार के नियम युक्ति – आधार वाक्य और निष्कर्ष, सत्यता एवं वैधता (6 व्याख्यान/घंटे)	Definition, Nature and Scope, Logic as an Art Fundamental Laws of Thought: Law of Identity, Law of Contradiction, Law of Excluded-Middle Argument – Premise and Conclusion, Truth and Validity (6 lectures/hours)
इकाई 2: भाषा: प्रयोग एवं कार्य भाषा के विभिन्न कार्य: सूचनात्मक, अभिव्यक्तात्मक, निर्देशात्मक, मिश्रित प्रयोग वाक्यों के प्रकार – घोषणात्मक, प्रश्नवाचक, आज्ञाबोधक, विस्मयादिबोधक सहमतियाँ-असहमतियाँ (6 व्याख्यान/घंटे)	**Unit II: Language: Uses and Functions** Different Functions of Language: Informative, Expressive, Directive, Mixed-Use Types of Sentences: Declarative, Interrogative, Imperative, Exclamatory Agreements-Disagreements (6 lectures/hours)
इकाई 3: आगमन एवं निगमन विधि आगमन एवं निगमन : अर्थ, स्वरूप एवं प्रकार आगमनात्मक एवं निगमनात्मक युक्ति आगमनात्मक छलांग (6 व्याख्यान/घंटे)	**Unit III: Method of Induction and Deduction** Induction and Deduction: Meaning, Nature and Types Inductive and Deductive Reasoning Inductive Leap (6 lectures/hours)
इकाई 4: प्राक्कल्पना एवं वैज्ञानिक विधि प्राक्कल्पना का स्वरूप प्राक्कल्पना के प्रकार: कर्ता सम्बन्धी प्राक्कल्पना, परिस्थिति सम्बन्धी प्राक्कल्पना और विधि सम्बन्धी प्राक्कल्पना यथार्थ प्राक्कल्पना की शर्तें: प्रासंगिकता, परीक्षणीयता, सुसंगतता, भविष्यवक्तृता (व्याख्या शक्ति) और सरलता प्राक्कल्पना के प्रमाण: सत्यापन (प्रत्यक्ष-परोक्ष), उपयुक्तता, एकमात्रता प्राक्कल्पना का महत्त्व और उपयोगिता (6 व्याख्यान/घंटे)	**Unit IV: Hypothesis and Scientific Method** Nature of Hypothesis Types of Hypotheses: Hypothesis Concerning Agent, Hypothesis Concerning Collocation, Hypothesis Concerning Law Conditions of a Legitimate Hypothesis: Relevance, Testability, Consistency, Predictability (Explanatory Power), Simplicity Proofs of Hypothesis: Verification (Direct-Indirect), Adequacy, Only Hypothesis Importance and Uses of Hypothesis (6 lectures/hours)
इकाई 5: तर्कशास्त्रीय कौशल की उपयोगिता और विनियोग तर्कशास्त्र और भाषाशास्त्र तर्कशास्त्र और मनोविज्ञान तर्कशास्त्र और भौतिकी	**Unit V: Usefulness and Application of Logical Skills** Logic and Linguistics Logic and Psychology

तर्कशास्त्र और तत्त्वमीमांसा (6 व्याख्यान/घंटे)	Logic and Physics Logic and Metaphysics (6 lectures/hours)
आधारभूत पुस्तकें: 1. तर्कशास्त्र का परिचय, इरविंग एम. कोपी, हिन्दी अनुवाद, संगमलाल पाण्डेय एवं गोरखनाथ मिश्र, एशिया बुक कम्पनी इलाहाबाद, 2010 2. तर्कशास्त्र, श्याम किशोर सेठ एवं नीलिमा मिश्रा, लोकभारती, इलाहाबाद, 2004 3. तर्कशास्त्र एवं वैज्ञानिक पद्धति, केदारनाथ तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 2006 4. तर्कशास्त्र का परिचय, राज्यश्री अग्रवाल, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल 5. तर्कशास्त्र के सिद्धान्त, अविनाश तिवारी, सरस्वती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1995 6. निगमन तर्कशास्त्र, केदारनाथ तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2000 7. आगमन तर्कशास्त्र, केदारनाथ तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2000 8. सरल आगमन तर्कशास्त्र, अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली, 1996 9. सरल निगमन तर्कशास्त्र, अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली, 2019 10. Introduction to Logic: Irvin M. Copi, The Macmillan Company, New York, 1961 11. A Textbook of Logic: Krishna Jain, DK. Printworld, 2012 12. An Introduction to Logic & Scientific Method, Cohen & Nagel, Routledge & Kegan Paul Ltd., 1955 **प्रस्तावित पुस्तकें:** 1. तर्कशास्त्र एवं वैज्ञानिक प्रणाली, मोरिस आर. अर्नेष्ट नागेल, अनु. पूर्णचन्द्र जैन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 2000 2. Introduction to Logic, Irvin M.Copi, Carl Cohen, Victor Rodych, Routledge, 2019 3. Logic, Chhanda Chakraborti, PHI, Learning Private Limited, Delhi, 2016	Essential Readings: 1. तर्कशास्त्र का परिचय, इरविंग एम. कोपी, हिन्दी अनुवाद, संगमलाल पाण्डेय एवं गोरखनाथ मिश्र, एशिया बुक कम्पनी इलाहाबाद, 2010 2. तर्कशास्त्र, श्याम किशोर सेठ एवं नीलिमा मिश्रा, लोकभारती, इलाहाबाद, 2004 3. तर्कशास्त्र एवं वैज्ञानिक पद्धति, केदारनाथ तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 2006 4. तर्कशास्त्र का परिचय, राज्यश्री अग्रवाल, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल 5. तर्कशास्त्र के सिद्धान्त, अविनाश तिवारी, सरस्वती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1995 6. निगमन तर्कशास्त्र, केदारनाथ तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2000 7. आगमन तर्कशास्त्र, केदारनाथ तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2000 8. सरल आगमन तर्कशास्त्र, अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली, 1996 9. सरल निगमन तर्कशास्त्र, अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली, 2019 10. Introduction to Logic: Irvin M. Copi, The Macmillan Company, New York, 1961 11. A Textbook of Logic: Krishna Jain, DK. Printworld, 2012 12. An Introduction to Logic & Scientific Method, Cohen & Nagel, Routledge & Kegan Paul Ltd., 1955 Suggested Readings: 1. तर्कशास्त्र एवं वैज्ञानिक प्रणाली, मोरिस आर. अर्नेष्ट नागेल, अनु. पूर्णचन्द्र जैन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 2000 2. Introduction to Logic, Irvin M.Copi, Carl Cohen, Victor Rodych, Routledge, 2019 3. Logic, Chhanda Chakraborti, PHI, Learning Private Limited, Delhi, 2016

Semester-II

स्तर (Level)	सेमेस्टर (Semester)	विषय कोड (Course Code)	विषय शीर्षक (Course Title)	क्रेडिट (Credits)				अंक (Marks)		
				L	T	P	C	आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment)		बाह्य मूल्यांकन (External Assessment)
								Mid-I	Mid-II	End Semester
L5	II	PHL-DSM-211	आधारभूत पाश्चात्य दर्शन Fundamentals of Western Philosophy	5	1	0	6	(20)	(20)	(60)

90 **व्याख्यान/घंटा** ((90 lectures/hours)

हिन्दी	**English**
1. **पाठ्यक्रम उद्देश्य:** इस पाठ्यक्रम के द्वारा पाश्चात्य दार्शनिक परम्परा के उद्भव और विकास पर प्रकाश डाला जायेगा। 2. **अपेक्षित अधिगम परिणाम:** इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों में पाश्चात्य दार्शनिक परम्पराओं और प्रकृतियों के प्रति जागरुकता बढेगी।	1. **Learning Objectives:** Through this course, the origin and development of the Western philosophical tradition will be introduced. 2. **Course Learning Outcomes:** This course will create awareness among the students about the Western philosophical traditions, methods and ethos.
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी (i) पश्चिम में दर्शन के विचार और विशेषताओं से परिचय होगा। (ii) ग्रीक दर्शन के प्रमुख आधारस्तम्भों को जानेगा। (iii) आधुनिक पाश्चात्य दर्शन के बुद्धिवादी चिन्तन से पिरचित होगा। (iv) आधुनिक पाश्चात्य दर्शन के अनुभववादी चिन्तन से परिचित होगा। (v) प्रसिद्ध जर्मन विचारक काण्ट के प्रमुख दार्शनिक अवदान को जानेगा।	After successfully completing this course, students (i) Will familiarize with the ideas and characteristics of philosophy in the West. (ii) Will know the main pillars of Greek philosophy. (iii) Will be acquainted with the rationalistic thinking of modern western philosophy. (iv) Will be aware of the empiricist thinking of modern western philosophy. (v) Know the major philosophical contributions of the famous German thinker Kant.

विषय वस्तु **इकाई 1:** दर्शन की पाश्चात्य अवधारणा, पाश्चात्य दर्शन के विभिन्न युग, पाश्चात्य दर्शन की सामान्य विशेषताएँ (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 2:** प्लेटो – प्रत्यय-सिद्धान्त, ज्ञानमीमांसा अरस्तू – कारणता सिद्धान्त, द्रव्य एवं आकार (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 3:** देकार्त – संदेह पद्धति, ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण स्पिनोजा – द्रव्य, गुण और पर्याय की अवधारणा लाइबनित्ज – प्रकृति के आधारभूत नियम, चिद्बिन्दुबाद (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 4:** लॉक – जन्मजात प्रत्यय का खण्डन, ज्ञान सिद्धान्त बर्कले – भौतिकवाद का खण्डन, आत्मनिष्ठ प्रत्ययवाद ह्यूम – संदेहवाद (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 5:** काण्ट – बुद्धिवाद और अनुभववाद में समन्वय, प्रागनुभविक संश्लेषणात्मक निर्णय की समस्या, बुद्धि की कोटियाँ (18 व्याख्यान/घंटे)	Course Content **Unit I:** Western concept of philosophy, different eras of Western philosophy, general characteristics of Western philosophy (18 lectures/hours) **Unit II:** Plato – theory of ideas, epistemology Aristotle – principle of causality, matter and form (18 lectures/hours) **Unit III:** Descartes – Method of doubt, proof of the existence of God Spinoza – Concept of substance, attributes, and modes Leibniz – Fundamental Laws of Nature, Monadology (18 lectures/hours) **Unit IV:** Locke – Refutation of innate ideas, theory of knowledge Berkeley – Refutation of materialism, subjective idealism Hume – Skepticism (18 lectures/hours) **Unit V:** Kant – Synthesis of Rationalism and Empiricism, the Problem of Synthetic A Priori Judgment, Categories of Understanding (18 lectures/hours)
आधारभूत पुस्तकें: 1. पाश्चात्य दर्शन, चन्द्रधर शर्मा, एम.एल.बी.डी. पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1992 2. पाश्चात्य दर्शन, हृदय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002 3. पाश्चात्य दर्शन, बद्रीनाथ सिंह, स्टूडेण्ट्स फ्रेण्ड्स एण्ड कम्पनी, वाराणसी, 1992 4. पाश्चात्य दर्शन का उद्भव और विकास, हरिशंकर उपाध्याय, अनुशीलन प्रकाशन, इलाहाबाद, 2020 5. पाश्चात्य दर्शन का आलोचनात्मक इतिहास, याकूब मसीह, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली	**आधारभूत पुस्तकें:** 1. पाश्चात्य दर्शन, चन्द्रधर शर्मा, एम.एल.बी.डी. पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1992 2. पाश्चात्य दर्शन, हृदय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002 3. पाश्चात्य दर्शन, बद्रीनाथ सिंह, स्टूडेण्ट्स फ्रेण्ड्स एण्ड कम्पनी, वाराणसी, 1992 4. पाश्चात्य दर्शन का उद्भव और विकास, हरिशंकर उपाध्याय, अनुशीलन प्रकाशन, इलाहाबाद, 2020 5. पाश्चात्य दर्शन का आलोचनात्मक इतिहास, याकूब मसीह, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली 6. आधुनिक पाश्चात्य दर्शन का इतिहास, कृष्णमुरारी प्रसाद वर्मा, नॉवल्टी पब्लिकेशन,

6. आधुनिक पाश्चात्य दर्शन का इतिहास, कृष्णमुरारी प्रसाद वर्मा, नॉवल्टी पब्लिकेशन, पटना 7. पाश्चात्य दर्शन की दार्शनिक प्रवृत्तियॉं, जे.एस. श्रीवास्तव, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013 8. पाश्चात्य दर्शन, अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली 9. A History of Philosophy, Frank Thilly, EBH Publishers, 2021 10. A Critical History of Western Philosophy, Y. Masih, MLBD Publishers, New Delhi, 2017 **प्रस्तावित पुस्तकें:** **1.** पाश्चात्य दर्शन का इतिहास – भाग एक एवं दो, (सम्पा.), दयाकृष्ण, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 2014 **2.** काण्ट का दर्शन, सभाजीत मिश्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ **3.** History of Western Philosophy, B. Russell, Routledge, Classics, 2016 **4.** A Critical History of Greek Philosophy, W.T. Stace, Macmillan, 1953	पटना 7. पाश्चात्य दर्शन की दार्शनिक प्रवृत्तियॉं, जे.एस. श्रीवास्तव, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013 8. पाश्चात्य दर्शन, अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली 9. A History of Philosophy, Frank Thilly, EBH Publishers, 2021 10. A Critical History of Western Philosophy, Y. Masih, MLBD Publishers, New Delhi, 2017 **प्रस्तावित पुस्तकें:** 1. पाश्चात्य दर्शन का इतिहास – भाग एक एवं दो, (सम्पा.), दयाकृष्ण, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 2014 2. काण्ट का दर्शन, सभाजीत मिश्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ 3. History of Western Philosophy, B. Russell, Routledge, Classics, 2016 4. A Critical History of Greek Philosophy, W.T. Stace, Macmillan, 1953

स्तर (Level)	सेमेस्टर (Semester)	विषय कोड (Course Code)	विषय शीर्षक (Course Title)	क्रेडिट (Credits)				अंक (Marks)		
				L	T	P	C	आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment)		बाह्य मूल्यांकन (External Assessment)
								Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)
L5	II	PHL-MDM-211	पाश्चात्य दर्शन के आधारभूत तत्व Essentials of Western Philosophy	5	1	0	6			

90 व्याख्यान/घंटा ((90 lectures/hours)

हिन्दी	English
1. **पाठ्यक्रम उद्देश्य:** इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में पश्चिमी दर्शन की प्रमुख धाराओं के प्रति चेतना जगाना है। 2. **अपेक्षित अधिगम परिणाम:** इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी पाश्चात्य परम्परा के प्रमुख दार्शनिक सरोकारों से परिचित होगा।	1. **Learning Objectives:** The aim is to create awareness among the students about the major currents of Western philosophy through this course. 2. **Course Learning Outcomes:** After studying this course, the student will be familiar with the major philosophical concerns of the Western tradition.
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी (i) पश्चिम में दर्शन के विचार और विशेषताओं से परिचित होगा। (ii) बुद्धिवादी एवं एवं अनुभववादी ज्ञानमीमांसा से परिचित होगा। (iii) ह्यूम के संदेहवाद एवं काण्ट के समीक्षावाद का अवगाहन करेगा। (iv) अरस्तू, देकार्त एवं लाइबनित्ज के तत्त्व सम्बन्धी प्रमुख विचारों को जानेगा। (v) सुकरात एवं काण्ट के नैतिक विचार जानेगा।	After successfully completing this course, students (i) Will be familiar with the ideas and characteristics of philosophy in the West. (ii) Will be familiar with rationalist and empiricist epistemology. (iii) Will examine Hume's skepticism and Kant's criticisms. (iv) Will know the main ideas of Aristotle, Descartes, and Leibniz about the reality. (v) Will know the moral thoughts of Socrates and Kant.
विषय वस्तु **इकाई 1: पाश्चात्य दर्शन का परिचय** दर्शन की पाश्चात्य अवधारणा पाश्चात्य दर्शन के विभिन्न युगों का संक्षिप्त परिचय पाश्चात्य दर्शन की विशेषताएँ (18 व्याख्यान/घंटे)	**Course Content** **Unit 1: Introduction to Western Philosophy** Western Concept of Philosophy Brief introduction of different eras of Western philosophy Characteristics of Western Philosophy (18 lectures/hours)

इकाई 2: ज्ञानमीमांसा ज्ञान का स्वरूप प्लेटो का ज्ञान सिद्धान्त जन्मजात प्रत्यय का बुद्धिवादी सिद्धान्त लॉक का अनुभववादी ज्ञान सिद्धान्त (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 3: ज्ञानमीमांसा** ह्यूम का सन्देहवाद काण्ट का समीक्षावाद (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 4: तत्त्वमीमांसा** अरस्तू का द्रव्य एवं आकार सिद्धान्त देकार्त का ईश्वर विचार लाइबनित्ज का चिद्बिन्दुवाद (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 5: नीति दर्शन** सुकरात का नैतिक दर्शन काण्ट का निरपेक्ष आदेश एवं नैतिक सूत्र (18 व्याख्यान/घंटे)	**Unit II: Epistemology** Nature of Knowledge Plato's Theory of Knowledge Rationalist Theory of Innate Ideas Locke's Empiricist Theory of Knowledge (18 lectures/hours) **Unit III: Epistemology** Hume's Skepticism Kant's Criticism (18 lectures/hours) **Unit IV: Metaphysics** Aristotle's Theory of Matter and Form Descartes' Idea of God Leibnitz's Monadology (18 lectures/hours) **Unit V: Moral Philosophy** Moral philosophy of Socrates Kant's Categorical Imperative and Principles of Morality (18 lectures/hours)
आधारभूत पुस्तकें: 1. पाश्चात्य दर्शन : दो भाग, सम्पा. दयाकृष्ण, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर। 2. ज्ञान दर्शन, श्याम किशोर सेठ, नीलिमा मिश्र, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज। 3. पाश्चात्य दर्शन, सी.डी. शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी। 4. पाश्चात्य दर्शन, बी.एन. सिंह, आशा प्रकाशन, वाराणसी। 5. पाश्चात्य दर्शन का उद्भव एवं विकास, एच.एस., उपाध्याय, अनुशीलन प्रकाशन, इलाहाबाद। 6. पाश्चात्य दर्शन की इतिहास एवं समस्याएँ, हृदय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद। **प्रस्तावित पुस्तकें:**	**आधारभूत पुस्तकें:** 1. पाश्चात्य दर्शन, चन्द्रधर शर्मा, एम.एल.बी.डी. पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1992 2. पाश्चात्य दर्शन, हृदय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002 3. पाश्चात्य दर्शन, बद्रीनाथ सिंह, स्टूडेण्ट्स फ्रेण्ड्स एण्ड कम्पनी, वाराणसी, 1992 4. पाश्चात्य दर्शन का उद्भव और विकास, हरिशंकर उपाध्याय, अनुशीलन प्रकाशन, इलाहाबाद, 2020 5. पाश्चात्य दर्शन का आलोचनात्मक इतिहास, याकूब मसीह, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली 6. आधुनिक पाश्चात्य दर्शन का इतिहास, कृष्णमुरारी प्रसाद वर्मा, नॉवल्टी पब्लिकेशन, पटना

1. पाश्चात्य दर्शन की समस्याएँ, बी.एन. सिंह, आशा प्रकाशन, वाराणसी। 2. आधुनिक पाश्चात्य दर्शन का इतिहास, कृष्ण मुरारी प्रसाद वर्मा, नवल्टी प्रकाशन, पटना। 3. काण्ट का दर्शन, संगमलाल पाण्डेय, दर्शनपीठ, इलाहाबाद। 4. काण्ट का दर्शन, सभाजीत मिश्र, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।	7. पाश्चात्य दर्शन की दार्शनिक प्रवृत्तियाँ, जे.एस. श्रीवास्तव, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013 8. पाश्चात्य दर्शन, अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली 9. A History of Philosophy, Frank Thilly, EBH Publishers, 2021 10. A Critical History of Western Philosophy, Y. Masih, MLBD Publishers, New Delhi, 2017 **प्रस्तावित पुस्तकें:** 1. पाश्चात्य दर्शन का इतिहास – भाग एक एवं दो, (सम्पा.), दयाकृष्ण, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 2014 2. काण्ट का दर्शन, सभाजीत मिश्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ 3. History of Western Philosophy, B. Russell, Routledge, Classics, 2016 4. A Critical History of Greek Philosophy, W.T. Stace, Macmillan, 1953

स्तर (Level)	सेमेस्टर (Semester)	विषय कोड (Course Code)	विषय शीर्षक (Course Title)	क्रेडिट (Credits)				अंक (Marks)		
				L	T	P	C	आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment)		बाह्य मूल्यांकन (External Assessment)
								Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)
L5	II	PHL-SEC-211	भारतीय मूल की धर्म-परम्पराएँ Dharma-Traditions of Indian Origin	2	0	0	2			

30 **व्याख्यान/घंटा** ((30 lectures/hours)

हिन्दी	English
1. **पाठ्यक्रम उद्देश्य:** इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय मूल के विभिन्न धर्मों की आधारभूत मान्यताओं एवं सिद्धान्तों से परिचित कराना है। 2. **अपेक्षित अधिगम परिणाम:** इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय धर्मों की मान्यताओं, मूल्यों और सिद्धान्तों से परिचित हो जायेंगे।	1. **Learning Objectives:** Through this course, students are supposed to grasp the basic beliefs and principles of various religions of Indian origin. 2. **Course Learning Outcomes:** Through this course, students will become familiar with the beliefs, values and principles of Indian religions.
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी (i) सनातन धर्म की आधारभूत मान्यताओं, सिद्धान्तों से परिचित हो जायेगा। (ii) बौद्ध धर्म के विभिन्न आचरणीय सिद्धान्तों से परिचित हो जायेगा। (iii) जैन धर्म के मूल सिद्धान्तों से परिचित हो जायेगा। (iv) सिख धर्म के मूल सिद्धान्तों, विवरणों एवं मान्यताओं से परिचित हो जायेगा। (v) में सांस्कृतिक एवं विभिन्न धर्मों के प्रति सह-अस्तित्व की भारतीय दृष्टि की समझ विकसित हो जायेगी।	After successfully completing this course, students (i) Will become familiar with the basic beliefs and principles of Sanatan Dharma. (ii) Will become familiar with various conduct-related principles of Buddhism. (iii) Will be acquainted with the basic principles of Jainism. (iv) Will know the basic principles, details and beliefs of Sikhism. (v) Will develop an understanding of the Indian notion of co-existence of various cultures and religious traditions.
विषय वस्तु **इकाई 1: सनातन धर्म** सनातन धर्म का आधार, सगुण एवं निर्गुण ईश्वर की अवधारणा, कर्म और पुनर्जन्म की अवधारणा,	**Course Content** **Unit I: Sanatana Dharma** Basis of Sanatan Dharma, Concept of Saguna and Nirguna God, Concept of Karma and Rebirth, Ashram and Purushartha system, Rinatraya, Panchamahayagya

आश्रम और पुरुषार्थ व्यवस्था, ऋणत्रय, पंचमहायज्ञ

(6 व्याख्यान/घंटे)

इकाई 2: बौद्ध धर्म

बौद्ध धर्म का आधार, धर्मचक्रप्रवर्तन, चार आर्य-सत्य, त्रिविधयान, नैरात्म्यवाद, षड्पारमिताएँ

(6 व्याख्यान/घंटे)

इकाई 3: जैन धर्म

जैन धर्म का आधार, तीर्थंकर-परम्परा, द्रव्य-विचार, धर्म के दस लक्षण, महाव्रत एवं अणुव्रत

(6 व्याख्यान/घंटे)

इकाई 4: सिख धर्म

सिख धर्म का आधार, गुरू-परम्परा, ईश्वर-विचार, मौलिक नियम, पंचककार, मुक्ति के मार्ग

(6 व्याख्यान/घंटे)

इकाई 5: भारतीय मूल के धर्मों का ऐक्य भाव

धार्मिक सह-अस्तित्व की भारतीय दृष्टि, धार्मिक बहुलता एवं सांस्कृतिक एकता, साधनगत भेद और साध्यगत एकता

(6 व्याख्यान/घंटे)

(6 lectures/hours)

Unit II: Buddhism

Basis of Buddhism, Dharmachakrapravartana, Four Noble Truths, Trividhayana, Nairatmya, Ṣadparamitas

(6 lectures/hours)

Unit III: Jainism

Basis of Jainism, Tirthankara tradition, Discourse on Substance, Ten characteristics of religion, Mahavrata and Anuvrata

(6 lectures/hours)

Unit IV: Sikhism

Basis of Sikhism, Guru-tradition, Idea of God, Fundamental principles, Panchakakara, Path of salvation

(6 lectures/hours)

Unit V: Sense of unity of religions of Indian origin

Indian perspective of religious coexistence, religious pluralism and cultural unity, the plurality of means and the unity of end

(6 lectures/hours)

आधारभूत पुस्तकें:

1. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2018
2. धर्म दर्शन की रूपरेखा, हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1987
3. मानव की सेवा में विश्व के प्रमुख धर्म, सिद्धेश्वर भट्ट, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली 2004
4. हिन्दू धर्म : जीवन में सनातन की खोज, विद्यानिवास मिश्र, वागदेवी प्रकाशन, 2008
5. तुलनात्मक धर्म दर्शन, याकूब मसीह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2014
6. धर्म दर्शन, लक्ष्मी निधि शर्मा, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
7. बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1963
8. सिख धर्म और संस्कृति, अमर सिंह बधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. हिन्दू धर्म और आचार, ऐनी बेसेंट, अनु. अम्बिकादत्त उपाध्याय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय,

आधारभूत पुस्तकें:

1. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2018
2. धर्म दर्शन की रूपरेखा, हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1987
3. मानव की सेवा में विश्व के प्रमुख धर्म, सिद्धेश्वर भट्ट, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली 2004
4. हिन्दू धर्म : जीवन में सनातन की खोज, विद्यानिवास मिश्र, वागदेवी प्रकाशन, 2008
5. तुलनात्मक धर्म दर्शन, याकूब मसीह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2014
6. धर्म दर्शन, लक्ष्मी निधि शर्मा, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
7. बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1963
8. सिख धर्म और संस्कृति, अमर सिंह बधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. हिन्दू धर्म और आचार, ऐनी बेसेंट, अनु. अम्बिकादत्त उपाध्याय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय,

वाराणसी

10. बौद्ध साधना, नरेन्द्र कुमार बौद्ध, के.के. पाब्लिकेशन्स, इलाहाबाद, 2007
11. Religion of the World, Gerald L. Berry, Barnes & N. 1956
12. The Religions of the World, George A Barton, Kessinger Publishing, 2006

प्रस्तावित पुस्तकें:

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय धर्म तथा लोक विधियाँ, धर्मशास्त्र का इतिहास भाग एक, पाण्डुरंग वामन काणे, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश
2. भारतीय संस्कृति और साधना, गोपीनाथ कविराज, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1996
3. महायान, शान्ति भिक्षु शास्त्री, विश्वभारती शान्ति निकेतन
4. बौद्ध धर्म मीमांसा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी
5. बोधिचर्यावतार, शान्तिदेव, हिन्दी अनुवाद, शान्ति भिक्षु शास्त्री, बुद्धविहार, लखनऊ, 1983
6. A Philosophical Scrutiny of Religions, C.J. Ducasse, The Ronold Press, New York , 1953

वाराणसी

10. बौद्ध साधना, नरेन्द्र कुमार बौद्ध, के.के. पाब्लिकेशन्स, इलाहाबाद, 2007
11. Religion of the World, Gerald L. Berry, Barnes & N.1956
12. The Religions of the World, George A Barton, Kessinger Publishing, 2006

प्रस्तावित पुस्तकें:

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय धर्म तथा लोक विधियाँ, धर्मशास्त्र का इतिहास भाग एक, पाण्डुरंग वामन काणे, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश
2. भारतीय संस्कृति और साधना, गोपीनाथ कविराज, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1996
3. महायान, शान्ति भिक्षु शास्त्री, विश्वभारती शान्ति निकेतन
4. बौद्ध धर्म मीमांसा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी
5. बोधिचर्यावतार, शान्तिदेव, हिन्दी अनुवाद, शान्ति भिक्षु शास्त्री, बुद्धविहार, लखनऊ, 1983
6. A Philosophical Scrutiny of Religions, C.J. Ducasse, The Ronold Press, New York , 1953

Semester-III

स्तर (Level)	सेमेस्टर (Semester)	विषय कोड (Course Code)	विषय शीर्षक (Course Title)	क्रेडिट (Credits)				अंक (Marks)		
				L	T	P	C	आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment)		बाह्य मूल्यांकन (External Assessment)
								Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)
L6	III	PHL-DSM-311	भारतीय नीतिशास्त्र Indian Ethics	5	1	0	6			

90 व्याख्यान/घंटा ((90 lectures/hours)

हिन्दी	English
1. **पाठ्यक्रम उद्देश्य:** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय नैतिक मूल्यों और सिद्धान्तों से परिचय कराना। 2. **अपेक्षित अधिगम परिणाम:** इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी भारतीय नैतिक मूल्यों और सिद्धान्तों से परिचित हो जायेगा।	1. **Learning Objectives:** The objective of this course is to acquaint the students with the Indian moral values and principles. 2. **Course Learning Outcomes:** After successfully completing this course, the student will become familiar with the Indian moral values and principles.
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी (i) भारतीय नीतिशास्त्र के स्वरूप, विकास और सामान्य विशेषताओं से परिचित हो जायेगा। (ii) भारतीय नीतिशास्त्र की पूर्व मान्यताओं, आधारभूत सिद्धान्तों एवं उद्देश्यों से परिचित हो जायेगा। (iii) को वैदिक नीतिशास्त्र के मौलिक प्रत्ययों और जीवन-मूल्यों का बोध हो जायेगा। (iv) में बौद्ध मत में प्रचलित नैतिक सिद्धान्तों और अष्टांग मार्ग की समक्ष विकसित होगी। (v) में जैन मत में प्रचलित नैतिक सिद्धान्तों और पंचव्रतों की समझ विकसित होगी।	After successfully completing this course, students (i) Will become familiar with the nature, development and general characteristics of Indian ethics. (ii) Will come to know the postulates, basic principles and objectives of Indian ethics. (iii) Will understand the fundamental concepts and values of Vedic ethics. (iv) Will develop an understanding of ethical principles prevalent in Buddhism along with the Eightfold Path. (v) Will understand the moral principles and Panchavrata prevalent in Jainism.

विषय वस्तु **इकाई I: भारतीय नीतिशास्त्र का परिचय** भारतीय नीतिशास्त्र का स्वरूप एवं विषय क्षेत्र भारतीय नैतिक चिन्तन का विकास भारतीय नीतिशास्त्र की सामान्य विशेषताएँ (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 2: भारतीय नीतिशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्त** आत्मा की अमरता का सिद्धान्त कर्म एवं पुनर्जन्म की अवधारणा अभ्युदय एवं नि:श्रेयस नैतिकता के मूलभूत स्रोत (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 3: वैदिक नीतिशास्त्र** ऋत की अवधारणा ऋणत्रय एवं पंचमहायज्ञ आश्रम एवं पुरुषार्थ व्यवस्था (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 4: बौद्ध नीतिशास्त्र** पंचशील की अवधारणा अष्टांग मार्ग षड्पारमिताएँ ब्रह्मविहार (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 5: जैन नीतिशास्त्र** त्रिरत्न की अवधारणा अणुव्रत कर्म एवं उसके भेद	**Course Content** **Unit I: Introduction to Indian Ethics** Nature and subject area of Indian ethics Development of Indian moral thought General characteristics of Indian ethics (18 lectures/hours) **Unit II: Basic Principles of Indian ethics** Doctrine of immortality of the soul Concept of Karma and Rebirth Abhyudaya and Nihshreyasa Fundamental Sources of Morality (18 lectures/hours) **Unit III: Vedic ethics** Concept of Rita Rinatryaya and Panchamahayajna Ashrama and Purushartha system (18 lectures/hours) **Unit IV: Buddhist ethics** Concept of Panchsheel Eightfold Path Shadparamitas Brahmavihara (18 lectures/hours) **Unit V: Jain ethics** Concept of Triratna Anuvrata Karma and its various kinds (18 lectures/hours)

(18 व्याख्यान/घंटे)	
आधारभूत पुस्तकें: 1. भारतीय नीतिशास्त्र का विकास, राजबली पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी 2. भारतीय नीतिशास्त्र दिवाकर पाठक, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1994 3. नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त (भारतीय एवं पाश्चात्य), ह्दय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007 4. नीतिशास्त्र की रूपरेखा (भारतीय एवं पाश्चात्य), अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 1996 5. उपनिषद्-दर्शन का रचनात्मक सर्वेक्षण, आर.डी. रानाडे, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1971 6. भारतीय नीति मीमांसा, सम्पा. राजवीर सिंह शेखावत, डिम्पल पब्लिकेशन्स, जयपुर, 2007 7. उपनिषदों का नीति दर्शन, सन्तोष आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर, 2014 8. जैन, बौद्ध, गीता के आचार दर्शनों का तुलनात्मक अध्ययन, सागरमल जैन, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर 9. A Manual of Hindu Ethics, G.A. Chandavarkar, Rupa, Publications Pvt. Ltd, 2010 10. Ethics of the Hindus, S.K. Maitra, Progressive Publishers, Calcutta, 1962 11. Classical Indian Ethical Thought : A Philosophical Study of Hindu, Jaina and Bauddha Morals, Keadar Nath Tiwari, MLBD, Delhi, 2017 **प्रस्तावित पुस्तकें:** 1. भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास, बी.एल. आत्रेय, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश 2. भारतीयता के समसामासिक अर्थ-सन्दर्भ, अम्बिकादत्त शर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली 2015 3. Comparative Ethics in Hindu and Buddhist Traditions, Roderick Hindery, MLBD, Delhi 4. Jain Ethics, Dayanand Bhargav, MLBD, 2018 5. The Hindu View of Life, S. Radhakrishnan, George Allen & Unwin, Pvt., 1976	1. आधारभूत पुस्तकें: 2. भारतीय नीतिशास्त्र का विकास, राजबली पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी 3. भारतीय नीतिशास्त्र दिवाकर पाठक, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1994 4. नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त (भारतीय एवं पाश्चात्य), ह्दय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007 5. उपनिषदों का नीति दर्शन, सन्तोष आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर, 2014 6. जैन, बौद्ध, गीता के आचार दर्शनों का तुलनात्मक अध्ययन, सागरमल जैन, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर 7. A Manual of Hindu Ethics, G.A. Chandavarkar, Rupa, Publications Pvt. Ltd, 2010 8. Ethics of the Hindus, S.K. Maitra, Progressive Publishers, Calcutta, 1962 9. Classical Indian Ethical Thought : A Philosophical Study of Hindu, Jaina and Bauddha Morals, Keadar Nath Tiwari, MLBD, Delhi, 2017 प्रस्तावित पुस्तकें: 1. भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास, बी.एल. आत्रेय, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश 2. भारतीयता के समसामासिक अर्थ-सन्दर्भ, अम्बिकादत्त शर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली 2015 3. Comparative Ethics in Hindu and Buddhist Traditions, Roderick Hindery, MLBD, Delhi 4. Jain Ethics, Dayanand Bhargav, MLBD, 2018 5. The Hindu View of Life, S. Radhakrishnan, George Allen & Unwin, Pvt.

स्तर (Level)	सेमेस्टर (Semester)	विषय कोड (Course Code)	विषय शीर्षक (Course Title)	क्रेडिट (Credits)				अंक (Marks)		
				L	T	P	C	आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment)		बाह्य मूल्यांकन (External Assessment)
								Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)
L6	III	PHL-MDM-311	भारतीय नैतिक चिन्तन की प्रमुख धाराएँ Major Streams of Indian Moral Thinking	5	1	0	6			

90 व्याख्यान/घंटा ((90 lectures/hours)

हिन्दी	English
1. **पाठ्यक्रम उद्देश्य:** विद्यार्थी को भारतीय नैतिक मूल्यों और सिद्धान्तों से परिचय कराना। 2. **अपेक्षित अधिगम परिणाम:** इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी भारतीय नैतिक मूल्यों और सिद्धान्तों से परिचित हो जायेगा।	1. **Learning Objectives:** To introduce the student to Indian moral values and principles. 2. **Course Learning Outcomes:** After successfully completing this course, the student will become familiar with Indian moral values and principles.
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी (i) भारतीय नीतिशास्त्र के स्वरूप, विकास और सामान्य विशेषताओं से परिचित हो जायेगा। (ii) भारतीय नीतिशास्त्र की पूर्व मान्यताओं, आधारभूत सिद्धान्तों एवं उद्देश्यों से परिचित हो जायेगा। (iii) को हिन्दू नीतिशास्त्र के मौलिक प्रत्ययों और जीवन-मूल्यों का बोध हो जायेगा। (iv) में श्रमण परम्परा में प्रचलित नैतिक सिद्धान्तों और जीवन-मूल्यों को आचरण में उतारने की समझ विकसित होगी। (v) में आधुनिक भारतीय नैतिक चिन्तन के प्रति चेतना जाग्रत होगी।	After successfully completing this course, students (i) Will become familiar with the nature, development and general characteristics of Indian ethics. (ii) Will know the postulates, basic principles and objectives of Indian ethics. (iii) Will understand the fundamental concepts and values of Hindu ethics. (iv) Will develop an understanding of implementing the moral principles and life values prevalent in the Shramana tradition. (v) Will be awakened towards modern Indian moral thinking.
विषय वस्तु **इकाई 1: भारतीय नीतिशास्त्र का परिचय**	**Course Content** **Unit I: Introduction to Indian Ethics**

भारतीय नीतिशास्त्र का स्वरूप एवं विषय क्षेत्र भारतीय नीतिशास्त्र की विभिन्न धाराएँ भारतीय नीतिशास्त्र की सामान्य विशेषताएँ भारतीय नीतिशास्त्र एवं पाश्चात्य नीतिशास्त्र में तुलना (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 2: भारतीय नीतिशास्त्र की मौलिक अवधारणाएँ** भारतीय नीतिशास्त्र के प्रमुख प्रत्यय भारतीय नीतिशास्त्र की पूर्व मान्यताएँ भारतीय नीतिशास्त्र में सदगुण विचार नैतिकता के मूलभूत स्रोत (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 3: हिन्दू नीतिशास्त्र** ऋत की वैदिक अवधारणा मीमांसा सम्मत धर्म की अवधारणा वर्णाश्रम एवं पुरुषार्थ व्यवस्था ऋणत्रय एवं पंचमहायज्ञ (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 4: श्रमण नीतिशास्त्र** बौद्ध नैतिक चिन्तन – आष्टांगिक मार्ग, षड्पारमिताएँ जैन नैतिक चिन्तन – महाव्रत एवं अणुव्रत (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 5: आधुनिक भारतीय नैतिक चिन्तन** स्वामी विवेकानन्द – कर्मयोग महात्मा गाँधी – एकादश व्रत विनोवा भावे – सर्वोदय विचार (18 व्याख्यान/घंटे)	Nature and subject area of Indian ethics Various streams of Indian ethics General characteristics of Indian ethics Comparison between Indian ethics and western ethics (18 lectures/hours) **Unit II: Fundamental concepts of Indian ethics** Major concepts of Indian ethics Presuppositions of Indian ethics The Idea of Good in Indian Ethics Fundamental sources of morality (18 lectures/hours) **Unit III: Hindu ethics** Vedic Concept of Rita Concept of Dharma in Mimamsa philosophy Varnashram and Purushartha system Rinatraya and Panchamahayajna (18 lectures/hours) **Unit IV: Shramana ethics** Buddhist moral Thoughts – Eightfold Path, Six Paramitas Jain moral thinking – Mahavrata and Anuvrata (18 lectures/hours) **Unit V: Modern Indian moral thought** Swami Vivekananda – Karmayoga Mahatma Gandhi – Eleven Vows Vinova Bhave – Idea of Sarvodaya (18 lectures/hours)
आधारभूत पुस्तकें: 1. भारतीय नीतिशास्त्र का विकास, राजबली पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी 2. भारतीय नीतिशास्त्र, दिवाकर पाठक, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1994 3. नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त (भारतीय एवं पाश्चात्य), हृदय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन,	**आधारभूत पुस्तकें:** 1. भारतीय नीतिशास्त्र का विकास, राजबली पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी 2. भारतीय नीतिशास्त्र, दिवाकर पाठक, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1994 3. नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त (भारतीय एवं पाश्चात्य), हृदय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन,

इलाहाबाद, 2007 4. नीतिशास्त्र की रूपरेखा (भारतीय एवं पाश्चात्य), अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 1996 5. उपनिषद्-दर्शन का रचनात्मक सर्वेक्षण, आर.डी. रानाडे, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1971 6. भारतीय नीति मीमांसा, सम्पा. राजवीर सिंह शेखावत, डिम्पल पब्लिकेशन्स, जयपुर, 2014 7. उपनिषदों का नीति दर्शन, सन्तोष आचार्य, प्राकृत भारतीय अकादमी, जयपुर, 2014 8. जैन, बौद्ध, गीता के आचार दर्शनों का तुलनात्मक अध्ययन, सागरमल जैन, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर 9. A Manual of Hindu Ethics, G.A. Chandavarkar, Rupa, Publications Pvt. Ltd, 2010 10. Ethics of the Hindus, S.K. Maitra, Progressive Publishers, Calcutta, 1962 11. Classical Indian Ethical Thought : A Philosophical Study of Hindu, Jaina and Bauddha Morals, Keadar Nath Tiwari, MLBD, Delhi, 2017 **प्रस्तावित पुस्तकें:** 1. भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास, बी.एल. आत्रेय, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश 2. भारतीयता के सामासिक अर्थ-सन्दर्भ, अम्बिकादत्त शर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2015 3. Comparative Ethics in Hindu and Buddhist Traditions, Roderick Hindery, MLBD, Delhi 4. Jain Ethics, Dayanand Bhargav, MLBD, 2018 5. The Hindu View of Life, S. Radhakrishnan, George Allen & Unwin, Pvt., 1976	इलाहाबाद, 2007 4. नीतिशास्त्र की रूपरेखा (भारतीय एवं पाश्चात्य), अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 1996 5. उपनिषद्-दर्शन का रचनात्मक सर्वेक्षण, आर.डी. रानाडे, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1971 6. भारतीय नीति मीमांसा, सम्पा. राजवीर सिंह शेखावत, डिम्पल पब्लिकेशन्स, जयपुर, 2014 7. उपनिषदों का नीति दर्शन, सन्तोष आचार्य, प्राकृत भारतीय अकादमी, जयपुर, 2014 8. जैन, बौद्ध, गीता के आचार दर्शनों का तुलनात्मक अध्ययन, सागरमल जैन, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर 9. A Manual of Hindu Ethics, G.A. Chandavarkar, Rupa, Publications Pvt. Ltd, 2010 10. Ethics of the Hindus, S.K. Maitra, Progressive Publishers, Calcutta, 1962 11. Classical Indian Ethical Thought: A Philosophical Study of Hindu, Jaina and Bauddha Morals, Keadar Nath Tiwari, MLBD, Delhi, 2017 **प्रस्तावित पुस्तकें:** 1. भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास, बी.एल. आत्रेय, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश 2. भारतीयता के सामासिक अर्थ-सन्दर्भ, अम्बिकादत्त शर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2015 3. Comparative Ethics in Hindu and Buddhist Traditions, Roderick Hindery, MLBD, Delhi 4. Jain Ethics, Dayanand Bhargav, MLBD, 2018 5. The Hindu View of Life, S. Radhakrishnan, George Allen & Unwin, Pvt., 1976

स्तर (Level)	सेमेस्टर (Semester)	विषय कोड (Course Code)	विषय शीर्षक (Course Title)	क्रेडिट (Credits)				अंक (Marks)		
				L	T	P	C	आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment)		बाह्य मूल्यांकन (External Assessment)
								Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)
L6	III	PHL-AEC-311	भारतीय वाद-विधि एवं तर्क की कला Indian Argumentative Tradition and the Art of Debate	2	0	0	2			

30 व्याख्यान/घंटा ((30 lectures/hours)

हिन्दी	English
1. **पाठ्यक्रम उद्देश्य:** इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को भारतीय तर्कयुक्ति परम्परा का परिचय कराया जायेगा। 2. **अपेक्षित अधिगम परिणाम:** इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय तर्क परम्परा से परिचित होगा तथा उन्हें प्रयोग करने में सक्षम होगा।	1. **Learning Objectives:** Through this course, students will be introduced to the Indian argumentative tradition. 2. **Course Learning Outcomes:** By studying this course, the student will become familiar with the methods of Indian logical traditions and will be able to apply them.
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी (i) वाद विद्या और तर्क को पहचानने में सक्षम होगा। (ii) कथा की संरचना जानेगा। (iii) वाद के अनेक रूपों से परिचित होगा। (iv) में जल्प एवं वितण्डा तर्क पद्धतियों का बोध होगा। (v) छल के स्वरूप एवं निग्रहस्थानों के बारे में जानेगा।	After successfully completing this course, students (i) Will be able to recognize the Indian method of debate and reasoning (ii) Will know the structure of arguments. (iii) Will be familiar with different forms of debate. (iv) Will become knowledgeable about the bad forms of debate called Jalap and Vitanda to avoid them. (v) Will know the nature deceptive arguments and recognize the places of ending the debate.
विषय वस्तु **इकाई 1:** भारतीय वाद परम्परा का परिचय तर्क की अवधारणा : परिभाषा एवं स्वरूप (6 व्याख्यान/घंटे)	**Course Content** **Unit 1:** Introduction to Indian argumentative tradition Concept of Tarka: definition and nature (6 lectures/hours) **Unit 2:** Definition of Modes of Arguments

इकाई 2: कथा की परिभाषा कथा का स्वरूप एवं प्रकार (6 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 3:** वाद की परिभाषा एवं स्वरूप वाद के प्रकार (6 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 4:** जल्प की परिभाषा एवं स्वरूप वितण्डा के प्रकार (6 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 5:** छल : परिभाषा एवं स्वरूप निग्रहस्थान के प्रकार (6 व्याख्यान/घंटे)	Nature and Kinds of the modes of arguments (6 lectures/hours) **Unit 3:** Definition and nature of debate Types of debates (6 lectures/hours) **Unit 4:** Definition and form of Jalpa Types of Vitanda (6 lectures/hours) **Unit 5:** Deceptive arguments: definition and nature Types of Nigrahasthana (6 lectures/hours)
आधारभूत पुस्तकें: 1. न्याय-प्रवेश-सूत्रम, लक्ष्मी मोर, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2000 2. न्याय दर्शन – सम्पादक अम्बिकादत्त शर्मा एवं सच्चिदानन्द मिश्र, डी.के. प्रिंटवर्ल्ड 2016 3. वात्सयायन भाष्य, हिन्दी अनुवाद, सच्चिदानन्द मिश्र, विद्याभारती प्रकाशन, वाराणसी 4. भारतीय तर्कशास्त्र, एन.पी. तिवारी, पी.एच.आई. लर्निंग प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2009 5. भारतीय तर्कशास्त्र परिचय, केदारनाथ तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2016 6. श्रीलौगाक्षिभास्करप्रणीतः, अर्थ संग्रह, 'अर्थमीमांसा' हिन्दीव्याख्योपेतः, डॉ. राजेश्वर शास्त्रि मुसलगाँवकर, चौखम्भा संस्कत संस्थान, वाराणसी, 2019 7. The Character of Logic in India, Bimal Krishna Matilal, Edt. Jonardon Ganeri, Heeraman Tiwari, State University of New York Press, 1998 8. Gautama's Nyayasutras (with Vatsyayan Bhashya), Ganganath Jha, Oriental Book Agency Poona, 1939 9. The Dispeller of Disputies : Nagarjuna's Vigrahavyavartani, Jan Westerhoff, Oxford University Press, USA, 2010	**आधारभूत पुस्तकें:** 1. न्याय-प्रवेश-सूत्रम, लक्ष्मी मोर, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2000 2. न्याय दर्शन – सम्पादक अम्बिकादत्त शर्मा एवं सच्चिदानन्द मिश्र, डी.के. प्रिंटवर्ल्ड 2016 3. वात्सयायन भाष्य, हिन्दी अनुवाद, सच्चिदानन्द मिश्र, विद्याभारती प्रकाशन, वाराणसी 4. भारतीय तर्कशास्त्र, एन.पी. तिवारी, पी.एच.आई. लर्निंग प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2009 5. भारतीय तर्कशास्त्र परिचय, केदारनाथ तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2016 6. श्रीलौगाक्षिभास्करप्रणीतः, अर्थ संग्रह, 'अर्थमीमांसा' हिन्दीव्याख्योपेतः, डॉ. राजेश्वर शास्त्रि मुसलगाँवकर, चौखम्भा संस्कत संस्थान, वाराणसी, 2019 7. The Character of Logic in India, Bimal Krishna Matilal, Edt. Jonardon Ganeri, Heeraman Tiwari, State University of New York Press, 1998 8. Gautama's Nyayasutras (with Vatsyayan Bhashya), Ganganath Jha, Oriental Book Agency Poona, 1939 9. The Dispeller of Disputies : Nagarjuna's Vigrahavyavartani, Jan

10. Vada in Theory and Practice : Studies in Debates, Dialogues and Discussion in Indian Intellectual Discourse, Radhavallabh Tripathi, D.K. Printworld, Delhi, 2021 11. Logic, Language and Reality (Indian Philosophies and Contemporary Issues): Indian Philosophy and Contemporary Issues, MLBD, 2017 12. The Elements of Indian Logic, B.L. Atreya, Darshan Printers, Moradabad, 1962 **प्रस्तावित पुस्तकें:** 1. बौद्ध प्रमाण दर्शन : प्रमाणशास्त्रीय सिद्धान्तों का अधिप्रामाण्य विश्लेषण, परिवर्द्धित एवं संशोधित संस्करण, डी.के. प्रिन्ट वर्ल्ड, नई दिल्ली, 2016 2. न्याय दर्शन में अनुमान, सच्चिदानन्द मिश्र, भारतीय विद्या भवन, दिल्ली, 2006 3. A Modern Introduction to Indian Logic, S.S. Barlingay, National Publishing, Delhi, 1975 4. A History of Indian Logic, S.C. Vidyabhushan, MLBD, Delhi, 2006	Westerhoff, Oxford University Press, USA, 2010 10. Vada in Theory and Practice : Studies in Debates, Dialogues and Discussion in Indian Intellectual Discourse, Radhavallabh Tripathi, D.K. Printworld, Delhi, 2021 11. Logic, Language and Reality (Indian Philosophies and Contemporary Issues): Indian Philosophy and Contemporary Issues, MLBD, 2017 12. The Elements of Indian Logic, B.L. Atreya, Darshan Printers, Moradabad, 1962 **प्रस्तावित पुस्तकें:** 1. बौद्ध प्रमाण दर्शन : प्रमाणशास्त्रीय सिद्धान्तों का अधिप्रामाण्य विश्लेषण, परिवर्द्धित एवं संशोधित संस्करण, डी.के. प्रिन्ट वर्ल्ड, नई दिल्ली, 2016 2. न्याय दर्शन में अनुमान, सच्चिदानन्द मिश्र, भारतीय विद्या भवन, दिल्ली, 2006 3. A Modern Introduction to Indian Logic, S.S. Barlingay, National Publishing, Delhi, 1975 4. A History of Indian Logic, S.C. Vidyabhushan, MLBD, Delhi, 2006

Semester-IV

<table>
<tr><td rowspan="2">स्तर
(Level)</td><td rowspan="2">सेमेस्टर
(Semester)</td><td rowspan="2">विषय कोड
(Course Code)</td><td rowspan="2">विषय शीर्षक
(Course Title)</td><td colspan="4">क्रेडिट (Credits)</td><td colspan="3" rowspan="2">अंक
(Marks)</td></tr>
<tr><td>L</td><td>T</td><td>P</td><td>C</td></tr>
<tr><td rowspan="2">L6</td><td rowspan="2">IV</td><td rowspan="2">PHL-DSM-411</td><td rowspan="2">पाश्चात्य नीतिशास्त्र
Western Ethics</td><td rowspan="2">5</td><td rowspan="2">1</td><td rowspan="2">0</td><td rowspan="2">6</td><td colspan="2">आन्तरिक मूल्यांकन
(Internal Assessment)</td><td>बाह्य मूल्यांकन
(External Assessment)</td></tr>
<tr><td>Mid-I
(20)</td><td>Mid-II
(20)</td><td>End Semester
(60)</td></tr>
</table>

90 **व्याख्यान/घंटा** ((90 lectures/hours)

हिन्दी	English
1. **पाठ्यक्रम उद्देश्य:** इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को पाश्चात्य परम्परा में विकसित नीतिशास्त्र के मौलिक सिद्धान्तों का बोध कराना। 2. **अपेक्षित अधिगम परिणाम:** इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी पाश्चात्य नीतिशास्त्र के स्वरूप एवं मौलिक सिद्धान्तों से परिचित हो जायेगा।	1. **Learning Objectives:** Through this course, students will be facilitated to understand the fundamental principles of ethics developed in the Western tradition. 2. **Course Learning Outcomes:** By studying this course, the student will become familiar with the nature and fundamental principles of Western ethics.
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी (i) पाश्चात्य नीतिशास्त्र के स्वरूप एवं अन्य विषयों से उसके सम्बन्ध का ज्ञान प्राप्त करेगा। (ii) नीतिशास्त्र की प्रविधियों से परिचित होगा। (iii) नीतिशास्त्र के आधारभूत नैतिक प्रत्ययों को समझेगा। (iv) नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्तों को जानेगा। (v) नीतिशास्त्र के उपयोगितावादी सिद्धान्त को विस्तार से जानेगा।	After successfully completing this course, students (i) Will acquire knowledge of the nature of Western ethics and its relation with other subjects. (ii) Will be familiar with the methods of ethics. (iii) Will understand the basic concepts of ethics. (iv) Will know the main principles of ethics. (v) Will know the utilitarian theory of ethics in details.
विषय वस्तु **इकाई 1: नीतिशास्त्र की परिभाषा, स्वरूप एवं विषयक्षेत्र**	**Course Content** **Unit 1: Definition, Nature and Scope of Ethics** Relationship of Ethics with Sociology, Psychology, Political Science, and

नीतिशास्त्र का समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, राजनीतिशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र से सम्बन्ध नीतिशास्त्र का उद्देश्य एवं उपयोगिता (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 2: नीतिशास्त्र की विधियाँ** इन्द्रियानुभविक विधि एवं उसकी समीक्षा तत्त्वशास्त्रीय विधि एवं उसकी समीक्षा अन्तर्दृष्टि विधि एवं उसकी समीक्षा नैतिक चेतना का स्वरूप एवं उसका विकास ज्ञानात्मक पक्ष, भावनात्मक पक्ष, क्रियात्मक पक्ष (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 3: आधारभूत नैतिक प्रत्यय** उचित एवं शुभ, कर्तव्य तथा आबन्ध, अधिकार एवं कर्तव्य स्वतंत्रता एवं उत्तरदायित्व, पाप-पुण्य, चरित्र (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 4: नैतिक मानदण्ड के सिद्धान्त** बाह्यनियमवाद, अन्त:प्रज्ञावाद, कर्तव्यवाद, उद्देश्यवाद उपयोगितावाद, पूर्णतावाद, नीत्शे का अतिमानववाद सिद्धान्त (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 5: उपयोगितावाद** बेन्थम का उपयोगितावाद मिल का उपयोगितावाद सिजविक का उपयोगितावाद (18 व्याख्यान/घंटे)	Philosophy Purpose and Utility of Ethics (18 lectures/hours) **Unit II: Methods of Ethics** Method of Sensory Experience and its Critique Metaphysical Method and its Critique Intuitive Method and its Critique Nature of Moral Consciousness and its Development Cognitive Aspect, Conative Aspect, Volitional Aspect (18 lectures/hours) **Unit III: Basic Ideas of Morality** Right and Good, Duties and Obligations, Rights and Duties, Freedom and Responsibility Virtue and Vice, Character (18 lectures/hours) **Unit IV: Principles of Ethical Standards** Externalism, Intuitionism Functionalism, Objectivism Utilitarianism, Perfectionism Nietzsche's Theory of Super-humanism (18 lectures/hours) **Unit V: Utilitarianism** Bentham’s Utilitarianism Mill’s Utilitarianism Sedgwick’s Utilitarianism (18 lectures/hours)
आधारभूत पुस्तकें: 1. अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र, एम.पी. चौरसिया, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली 2. नीतिशास्त्र : सिद्धान्त और प्रयोग, नित्यानन्द मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास 3. नैतिक दर्शन, रत्ना देव, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 1989	**आधारभूत पुस्तकें:** 1. अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र, एम.पी. चौरसिया, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली 2. नीतिशास्त्र : सिद्धान्त और प्रयोग, नित्यानन्द मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास 3. नैतिक दर्शन, रत्ना देव, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 1989

4. Ethics, William K Frankeny, Prentice Hall of India, Pvt.Ltd., New Delhi 5. Ethics : Theory and practice, Y.V. Satyanarayana, Pearson, Delhi **प्रस्तावित पुस्तकें:** 1. Practical Ethics, Pitter Singer, Oxford University Press, 2011 2. A Manual of Ethics, Jadunath Sinha, New Central Book Agency (P) Ltd, Kolkata, 2021	4. Ethics, William K Frankeny, Prentice Hall of India, Pvt.Ltd., New Delhi 5. Ethics: Theory and practice, Y.V. Satyanarayana, Pearson, Delhi प्रस्तावित पुस्तकें: 1. Practical Ethics, Pitter Singer, Oxford University Press, 2011 2. A Manual of Ethics, Jadunath Sinha, New Central Book Agency (P) Ltd, Kolkata, 2021

स्तर (Level)	सेमेस्टर (Semester)	विषय कोड (Course Code)	विषय शीर्षक (Course Title)	क्रेडिट (Credits)				अंक (Marks)		
				L	T	P	C	आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment)		बाह्य मूल्यांकन (External Assessment)
								Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)
L6	IV	PHL-MDM-411	पाश्चात्य नैतिक चिन्तन एवं अनुप्रयोग Western Moral Thinking and its Applications	5	1	0	6			

90 व्याख्यान/घंटा ((90 lectures/hours)

हिन्दी	English
1. **पाठ्यक्रम उद्देश्य:** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पाश्चात्य नैतिक चिन्तन एवं उसके कुछ अनुप्रयोगों से परिचित कराना। 2. **अपेक्षित अधिगम परिणाम:** इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी पाश्चात्य नैतिक चिन्तन का ज्ञान प्राप्त करेगा तथा दण्ड और पुरस्कार व्यवस्था पर उनके अनुप्रयोग से परिचित होगा।	1. **Learning Objectives:** The objective of this course is to introduce students to Western ethical thinking and some of its applications. 2. **Course Learning Outcomes:** By studying this course, the student will gain knowledge of Western moral thinking and will be familiar with their application to the punishment and reward system.
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी (i) नीतिशास्त्र के स्वरूप एवं अन्य विषयों से उसके सम्बन्ध का ज्ञान प्राप्त करेगा। (ii) नीतिशास्त्र की प्रविधियों से परिचित होगा। (iii) नीतिशास्त्र की पूर्वमान्यताओं को जानेगा। (iv) नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्तों को जानेगा। (v) को दण्ड व्यवस्था के अनेक नैतिक सिद्धान्तों का बोध होगा।	After successfully completing this course, students (i) Will acquire knowledge of the nature of ethics and its relation with other subjects. (ii) Will be familiar with the techniques of ethics. (iii) Will know the presuppositions of ethics. (iv) Will know the main principles of ethics. (v) Will be aware of many moral principles of the penal system.
विषय वस्तु **इकाई 1: नीतिशास्त्र का परिचय** अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र नीतिशास्त्र के अध्ययन का महत्त्व	**Course Content** **Unit I: Introduction to ethics** Meaning, Definition, Nature and Scope Importance of Study of Ethics Ethics and Sociology

नीतिशास्त्र और समाजशास्त्र नीतिशास्त्र और मनोविज्ञान नीतिशास्त्र और राजनीतिशासत्र नीतिशास्त्र और धर्मशास्त्र नीतिशास्त्र और दर्शनशास्त्र (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 2: नीतिशास्त्र की विधियाँ** इन्द्रियानुभविक विधि, तत्त्वशास्त्रीय विधि, अन्तर्दृष्टि विधि (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 3: नीतिशास्त्र की पूर्वमान्यताएँ** व्यक्तित्त्व, विवेक, संकल्पस्वातन्त्र्य, आत्मा की अमरता ईश्वर का अस्तित्त्व, नैतिक पूर्वमान्यताएँ (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 4: नैतिक मानदण्ड के सिद्धान्त** बाह्यनियमवाद, अन्त:प्रज्ञावाद, कर्तव्यवाद, उद्देश्यवाद उपयोगितावाद, पूर्णतावाद (18 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 5: दण्ड एवं पुरस्कार** नैतिकता में दण्ड एवं पुरस्कार की प्रासंगिकता प्रतिकारात्मक दण्ड सिद्धान्त निवारणात्मक दण्ड सिद्धान्त सुधारात्मक दण्ड सिद्धान्त दण्ड का नैतिक स्वरूप – क्षमा दान, मृत्यु दण्ड, ह्दय परिवर्तन (18 व्याख्यान/घंटे)	Ethics and Psychology Ethics and Political Science Ethics and Theology Ethics and Philosophy (18 lectures/hours) **Unit II: Methods of Ethics** Sensory Method Metaphysical Method Intuitive Method (18 lectures/hours) **Unit III: Presuppositions of Ethics** Individuality, Conscience, Freedom of Will Immortality of Soul Existence of God Postulates of Morality (18 lectures/hours) **Unit IV: Principles of Ethical Standards** Externalism Intuitionism Deontology Teleology Utilitarianism Perfectionism (18 lectures/hours) **Unit V: Punishment and Reward** Relevance of punishment and reward in morality Theory of Retributive Punishment Theory of Preventive Punishment Theory of Reformative Punishment Moral Nature of Punishment: Pardon, Death Penalty, Change of Heart (18 lectures/hours)

आधारभूत पुस्तकें: 1. नीतिशास्त्र की भूमिका, ह्दय नारायण मिश्र एवं जमुना प्रसाद अवस्थी, हरियाणा साहित्य अकादमी 2. नीति विज्ञान के मूल सिद्धान्त, लक्ष्मी सक्सेना, अवध पब्लिशिंग हाउस, 2006 3. नीतिशास्त्र, सिद्धान्त और प्रयोग, नित्यानन्द मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2004 4. नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त, ह्दय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद, 1988 5. नीतिशास्त्र, शान्ति जोशी ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी, 1956 6. नीतिशास्त्र की रूपरेखा, अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 7. Applied Ethics, (Ed.) A.P. Dubey, Nothern Book Centre, New Delhi, 2004 **प्रस्तावित पुस्तकें:** 1. नीतिशास्त्र मीमांसा, जॉर्ज, एडवर्ड मूर, अनु. अशोक कुमार वर्मा, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली 2. नीतिशास्त्र के इतिहास की रूपरेखा, हेनरी सिजविक, हिन्दी अनु. सागरमल जैन, प्राच्य विद्यापीठ, 2017 3. An Introduction to Ethics, William Lille, Jyoti Enterprises, Delhi, 2021	**आधारभूत पुस्तकें:** 1. नीतिशास्त्र की भूमिका, ह्दय नारायण मिश्र एवं जमुना प्रसाद अवस्थी, हरियाणा साहित्य अकादमी 2. नीति विज्ञान के मूल सिद्धान्त, लक्ष्मी सक्सेना, अवध पब्लिशिंग हाउस, 2006 3. नीतिशास्त्र, सिद्धान्त और प्रयोग, नित्यानन्द मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2004 4. नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त, ह्दय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद, 1988 5. नीतिशास्त्र, शान्ति जोशी ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी, 1956 6. नीतिशास्त्र की रूपरेखा, अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 7. Applied Ethics, (Ed.) A.P. Dubey, Northern Book Centre, New Delhi, 2004 **प्रस्तावित पुस्तकें:** 1. नीतिशास्त्र मीमांसा, जॉर्ज, एडवर्ड मूर, अनु. अशोक कुमार वर्मा, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली 2. नीतिशास्त्र के इतिहास की रूपरेखा, हेनरी सिजविक, हिन्दी अनु. सागरमल जैन, प्राच्य विद्यापीठ, 2017 3. An Introduction to Ethics, William Lille, Jyoti Enterprises, Delhi, 2021

स्तर (Level)	सेमेस्टर (Semester)	विषय कोड (Course Code)	विषय शीर्षक (Course Title)	क्रेडिट (Credits)				अंक (Marks)		
				L	T	P	C	आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment)		बाह्य मूल्यांकन (External Assessment)
								Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)
L6	IV	PHL-SEC-411	सेमेटिक मूल की धर्म-परम्पराएँ Semitic Religious Traditions	2	0	0	2			

30 व्याख्यान/घंटा ((30 lectures/hours)

हिन्दी	English
1. **पाठ्यक्रम उद्देश्य:** इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को सेमेटिक धर्मों में प्रचलित मान्यताओं, परम्पराओं और रीति-रिवाजों से परिचय कराना है। 2. **अपेक्षित अधिगम परिणाम:** इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी यहूदी, ईसाई, इस्लाम एवं पारसी धर्म में प्रचलित विश्वासों, रीति-रिवाजों और नैतिक मान्यताओं से परिचित हो जायेगा।	1. **Learning Objectives:** Through this course, students are to be introduced to the beliefs, traditions and customs prevalent in Semitic religions. 2. **Course Learning Outcomes:** After successfully completing this course, the student will become familiar with the beliefs, customs and moral values prevalent in Judaism, Christianity, Islam and Zoroastrianism.
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी (i) धर्म एवं रिलीजन की अवधारणा और सामी धर्मों के उद्गम, विकास और विशेषताओं से परिचित हो जायेगा। (ii) को यहूदी धर्म की प्रमुख मान्यताओं, ईश्वर की अवधारणा और नैतिकता का बोध हो जायेगा। (iii) को ईसाई धर्म के आधार, ईश्वर एवं मानव के बीच सम्बन्ध और अशुभ की समस्या का ज्ञान हो जायेगा। (iv) को इस्लाम धर्म में ईश्वर विचार, ईमान और दीन की अवधारणा तथा अन्य सिद्धान्तों का ज्ञान हो जायेगा। (v) में पारसी धर्म के मौलिक सिद्धान्तों और नैतिक विचारों का बोध हो जायेगा।	After successfully completing this course, students (i) Will become familiar with the concept of dharma and religion along with the origin, development and characteristics of Semitic religions. (ii) Will gain an understanding of the core beliefs, concept of God, and ethics of Judaism. (iii) Will gain knowledge of the basis of Christianity, the relationship between God and man and the problem of evil. (iv) Will get knowledge about the idea of God, the concept of faith and religion and other principles in the religion of Islam. (v) You will understand the fundamental principles and moral ideas of Zoroastrianism.

विषय वस्तु **इकाई 1: रिलीजन का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप** धर्म एवं रिलीजन का भेद सामी धर्मों के विकास का इतिहास (6 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 2: सामी धर्मों की प्रमुख विशेषताएँ** सामी धर्मों में मनुष्य के उद्धार की अवधारणा सामी और गैर-सामी धार्मिक विश्वासों की तुलना (6 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 3: यहूदी धर्म** यहूदी धर्म का आधार, प्रमुख धार्मिक मान्यताएँ, ईश्वर विचार, नैतिक विचार (6 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 4: ईसाई धर्म** ईसाई धर्म का आधार ईसाई धर्म में ईश्वर विचार, ईश्वर एवं मानव नैतिक विचार, अशुभ की समस्या (6 व्याख्यान/घंटे) **इकाई 5: इस्लाम धर्म** इस्लाम धर्म का आधार, इस्लाम में ईश्वर विचार, ईश्वर एवं मानव इस्लाम के प्रधान सिद्धान्त (ईमान), इस्लाम धर्म के पाँच आधार (दीन), नैतिक विचार (6 व्याख्यान/घंटे)	**Course Content** **Unit I: Meaning, Definition, and Nature of Religion** Difference between Dharma and Religion History of the Development of Semitic Religions (6 lectures/hours) **Unit II: Main Characteristics of Semitic Religions** Concept of Human Salvation in Semitic Religions Comparison of Semitic and non-Semitic religious beliefs (6 lectures/hours) **Unit III: Judaism** Foundations of Judaism, Major Religious Beliefs, Idea of God, Moral Ideas (6 lectures/hours) **Unit IV: Christianity** Basis of Christianity The Idea of God, God and Human in Christianity Moral Ideas, Problems of Evil (6 lectures/hours) **Unit V: Islam** Basis of Islam, Idea of God in Islam, God and Human Main Principles of Islam Religion (Iman), Five Foundations of Islam Religion (Deen), Moral Ideas (6 lectures/hours)
आधारभूत पुस्तकें: 1. मानव की सेवा में विश्व के प्रमुख धर्म, सिद्धेश्वर भट्ट, विद्यानिधि प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004 2. विभिन्न धर्मों में ईश्वर की कल्पना, प्रभाकर माचवे, सुरेन्द्र नारायण दफ्तुआर, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना 3. धर्म दर्शन की रूपरेखा, हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, पटना, 1962	**आधारभूत पुस्तकें:** 1. मानव की सेवा में विश्व के प्रमुख धर्म, सिद्धेश्वर भट्ट, विद्यानिधि प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004 2. विभिन्न धर्मों में ईश्वर की कल्पना, प्रभाकर माचवे, सुरेन्द्र नारायण दफ्तुआर, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना 3. धर्म दर्शन की रूपरेखा, हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, पटना, 1962

4. विश्व के प्रमुख धर्म, शीला माथुर एवं अन्य (सम्पादक), वैज्ञानिक तथा तकनीकी शिक्षा आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), भारत सरकार 1988
5. विश्व धर्म दर्शन, बिहारीलाल सांवरिया, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
6. सामी धर्म एवं अंतर-सभ्यात्मक संघर्ष, अमित कुमार, निर्मल प्रकाशन दिल्ली, 2020
7. सब धर्मों की बुनियादी एकता, भगवान दास, अनु. पण्डित सुन्दर लाल, चौखम्भा सुभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1991
8. विश्व धर्म, ह्दय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद, 1996
9. प्राचीन भारतीय धर्म, शिवस्वरूप सहाय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
10. धर्म दर्शन की रूपरेखा, लक्ष्मी निधी शर्मा, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 2006
11. प्रमुख धर्मों का तुलनात्मक विवेचन, वशिष्ठनारायण त्रिपाठी, आराधना प्रकाशन, कमच्छा, वाराणसी, 2014
12. Modern Trends in Islam, H.A.R. Gibb, University of Chicago Press, 1947
13. A Reader on Islam. Passages from Standard Arabic Writings Illustrative of the Beliefs and Practices of Muslims. Jeffery Arthur, New York Humanities Press, 1963
14. A Comparative Study of Religions, Yakoob Masih, Motilal Banasidas, 1990
15. A History of World's Religions, David S. Noss, 10^{th} ed. Prentice Hall, 1999
16. The World Religions, William A. Young, 2^{nd}ed. Pearson, Prentice Hall, New Jersey

प्रस्तावित पुस्तकें:

1. Modern Trends in Islam, H.A.R. Gibb, University of Chicago Press, 19
2. A Reader on Islam. Passages from Standard Arabic Writings Illustra the Beliefs and Practices of Muslims. Jeffery Arthur, New York Hum Press, 1963

4. विश्व के प्रमुख धर्म, शीला माथुर एवं अन्य (सम्पादक), वैज्ञानिक तथा तकनीकी शिक्षा आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), भारत सरकार 1988
5. विश्व धर्म दर्शन, बिहारीलाल सांवरिया, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
6. सामी धर्म एवं अंतर-सभ्यात्मक संघर्ष, अमित कुमार, निर्मल प्रकाशन दिल्ली, 2020
7. सब धर्मों की बुनियादी एकता, भगवान दास, अनु. पण्डित सुन्दर लाल, चौखम्भा सुभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1991
8. विश्व धर्म, ह्दय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद, 1996
9. प्राचीन भारतीय धर्म, शिवस्वरूप सहाय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
10. धर्म दर्शन की रूपरेखा, लक्ष्मी निधी शर्मा, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 2006
11. प्रमुख धर्मों का तुलनात्मक विवेचन, वशिष्ठनारायण त्रिपाठी, आराधना प्रकाशन, कमच्छा, वाराणसी, 2014
12. Modern Trends in Islam, H.A.R. Gibb, University of Chicago Press, 1947
13. A Reader on Islam. Passages from Standard Arabic Writings Illustrative of the Beliefs and Practices of Muslims. Jeffery Arthur, New York Humanities Press, 1963
14. A Comparative Study of Religions, Yakoob Masih, Motilal Banasidas, 1990
15. A History of World's Religions, David S. Noss, 10^{th} ed. Prentice Hall, 1999
16. The World Religions, William A. Young, 2^{nd}ed. Pearson, Prentice Hall, New Jersey

प्रस्तावित पुस्तकें:

1. Modern Trends in Islam, H.A.R. Gibb, University of Chicago Press, 19
2. A Reader on Islam. Passages from Standard Arabic Writings Illustra the Beliefs and Practices of Muslims. Jeffery Arthur, New York Hum Press, 1963

Semester-V

<table>
<tr><td rowspan="2">स्तर
(Level)</td><td rowspan="2">सेमेस्टर
(Semester)</td><td rowspan="2">विषय कोड
(Course Code)</td><td rowspan="2">विषय शीर्षक
(Course Title)</td><td colspan="4">क्रेडिट (Credits)</td><td colspan="3">अंक
(Marks)</td></tr>
<tr><td>L</td><td>T</td><td>P</td><td>C</td><td colspan="3"></td></tr>
<tr><td rowspan="2">L7</td><td rowspan="2">V</td><td rowspan="2">PHL-DSM-511</td><td rowspan="2">भारतीय धर्म दर्शन
Indian Philosophy of Religion</td><td rowspan="2">5</td><td rowspan="2">1</td><td rowspan="2">0</td><td rowspan="2">6</td><td colspan="2">आन्तरिक मूल्यांकन
(Internal Assessment)</td><td>बाह्य मूल्यांकन
(External Assessment)</td></tr>
<tr><td>Mid-I
(20)</td><td>Mid-II
(20)</td><td>End Semester
(60)</td></tr>
</table>

90 **व्याख्यान/घंटा** ((90 lectures/hours)

<table>
<tr><th>हिन्दी</th><th>English</th></tr>
<tr><td>1. पाठ्यक्रम उद्देश्य: धर्म की भारतीय अवधारणा और उसकी विशिष्टता का अध्ययन करना। भारत में धार्मिक मान्यताओं से सम्बन्धित विभिन्न दृष्टिकोणों की खोज करना। भारत में धार्मिक मान्यताओं के समकालीन चिंतन और उसकी प्रासंगिकता को समझना।
2. अपेक्षित अधिगम परिणाम: इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी भारत में उत्पन्न धार्मिक अवधारणाओं और उनसे सम्बन्धित मान्यताओं की विशिष्टताओं से परिचित होंगे।</td><td>1. Learning Objectives
• To study the Indian conception of Dharma and its distinctness
• To discover the various viewpoints related to religious beliefs in India
• To understand the contemporary adaptation and relevance of religious beliefs in India
2. Course Learning Outcomes
The students will learn the uniqueness of the religious concepts and associated beliefs that originated in India.</td></tr>
<tr><td>इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी
(i) धर्म की अवधारणा और स्रोतों को समझेंगे।
(ii) भारत में देवत्व की अवधारणा को जानेंगे।
(iii) भारत में धार्मिक मान्यताओं के दार्शनिक आधार का बोध प्राप्त करेंगे।</td><td>After successfully completing this course, students
(i) Understand the concept of Dharma and its sources
(ii) Learn various conceptions of divinity in India
(iii) Figure out the philosophical basis of the religious beliefs in India</td></tr>
</table>

(iv) भारतीय जीवन में धर्म की दिन-प्रतिदिन की प्रासंगिकता को समझेंगे। (v) समकालीन भारतीय विचारकों के दृष्टिकोण को जानने और समझने का प्रयास करेंगे।	(iv) Realize the day-to-day relevance of Dharma in Indian life (v) Learn and appreciate the viewpoints of contemporary Indian thinkers
विषय वस्तु **इकाई 1 :** धर्म की संकल्पना एवं रिलीजन से उसका अंतर धर्म के स्रोत (धर्मशास्त्र): निगम और आगम धर्म की विशेषताएँ: वैदिक, बौद्ध और जैन परंपराएँ धर्म और पुरुषार्थ (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 2 :** दिव्य सत्ता की अवधारणा: वैयक्तिक (सगुण) और अवैयक्तिक (निर्गुण) हिंदू धर्म में वैयक्तिक ईश्वर एवं अवतार की अवधारणा बौद्ध धर्म, जैन धर्म और अन्य परंपराओं में दिव्य सत्ता की संकल्पना ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण और उनका परीक्षण (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 3 :** आत्मा के विभिन्न सिद्धांत: न्याय, मीमांसा, वेदांत, जैन धर्म, बौद्ध धर्म और सिख धर्म आत्मा और उसका दिव्य सत्ता से सम्बन्ध कर्म और पुनर्जन्म का सिद्धांत अशुभ की समस्या पर भारतीय दृष्टिकोण बंधन और मुक्ति की अवधारणा (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 4 :** धार्मिक ज्ञान के स्रोत: श्रुति, स्मृति, सदाचार, श्रद्धा, विवेक धार्मिक कर्मकाण्ड : हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और सिख धर्म श्रद्धा, भक्ति और उपासना की अवधारणा भारतीय धार्मिक परंपराओं में गुरु की भूमिका (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 5 :** विवेकानन्द की सार्वभौम धर्म की अवधारणा रवीन्द्रनाथ टैगोर की मानव-धर्म की अवधारणा राधाकृष्णन की धार्मिक अंतर्ज्ञान की अवधारणा	**Course Content** **Unit – I** The Concept of Dharma and Its Difference from ‘Religion’ The Source of Dharma (Dharmashastra): Nigama and Agama The Characteristics of Dharma: Vedic, Buddhist, and Jaina Traditions Dharma and Purushartha **Unit - II** The Concept of Divine: Impersonal (Nirguna) and Personal (Saguna) The Conception of Personal God in Hinduism and Incarnation The Notion of Divinity in Buddhism, Jainism, and Other Traditions Proofs for the Existence of God and Their Examination **Unit - III** Different Doctrines of Self: Nyaya, Mimamsa, Vedanta, Jainism, Buddhism, Sikhism Self and Its Relation with Divinity Theory of Karma and Rebirth Indian Approach to the Problem of Evil The Concept of Bondage and Liberation **Unit - IV** Sources of Religious Knowledge: Shruti, Smiriti, Sadachara, Shraddhan, Conscience Religious Rituals: Hinduism, Buddhism, Jainism, and Sikhism The Concept of Shraddha, Bhakti, and Worship The Role of Guru in Indian Religious Traditions

महात्मा गांधी की सर्वधर्मसमभाव की अवधारणा (18 व्याख्यान/घंटा)	**Unit –V** Vivekananda's Conception of Universal Religion Rabindranath Tagore's Conception of Religion of Man Radhakrishnan's Conception of Religious Intuition Mahatma Gandhi's Conception of Sarvadharmasamabhava
Essential Readings 1. Banerjee, Nikunja Vihari. 1974. *The Spirit of Indian Philosophy*. New Delhi: Arnold-Heinemann Publishers 2. Herman, Arthur. 1976. *The Problem of Evil in Indian Thought*. Delhi: Motilal Banarsidass 3. Lal, Basant Kumar. 2020. *Contemporary Indian Philosophy*. New Delhi: Motilal Banarsidass 4. Mlecko, Joel D. 1982. The Guru in Hindu Tradition. *Numen*, Vol. 29: pp. 33-61 5. N.S. Dravid. 1996. *Nyayakusumaṇjali* of Udayana. New Delhi: ICPR 6. Nesbitt, Eleanor. 2005. *SIKHISM: A Very Short Introduction*. New York: Oxford University Press 7. Radhakrishnan, S. 1957. Adi Granth. *Indian Literature*, Vol. 1.1: pp. 4-11 8. Ramamurty, A. 2016. *Indian Philosophy of Religion*. New Delhi: Decent Books 9. Sharma, Arvind. 1990. *A Hindu Perspective on the Philosophy of Religion*. New York: Palgrave Macmillan 10. Sinha, Jadunath. 2016. *A History of Indian Philosophy*, 3 Vols. New Delhi: Motilal Banarsidass 11. Walli, Koshelya. 1977. *Theory of Karman in Indian Thought*. Varanasi: Bharata Mahisha 12. झा, निर्मला कुमारी. 2018. भारतीय दर्शन की मूल अवधारणाएं. मुजफ्फरपुर: अभिधा प्रकाशन 13. त्रिपाठी, वशिष्ठनारायण. 2024. प्रमुख धर्मों का तुलनात्मक विवेचन. वाराणसी:	**Essential Readings** 1. Banerjee, Nikunja Vihari. 1974. *The Spirit of Indian Philosophy*. New Delhi: Arnold-Heinemann Publishers 2. Herman, Arthur. 1976. *The Problem of Evil in Indian Thought*. Delhi: Motilal Banarsidass 3. Lal, Basant Kumar. 2020. *Contemporary Indian Philosophy*. New Delhi: Motilal Banarsidass 4. Mlecko, Joel D. 1982. The Guru in Hindu Tradition. *Numen*, Vol. 29: pp. 33-61 5. N.S. Dravid. 1996. *Nyayakusumaṇjali* of Udayana. New Delhi: ICPR 6. Nesbitt, Eleanor. 2005. *SIKHISM: A Very Short Introduction*. New York: Oxford University Press 7. Radhakrishnan, S. 1957. Adi Granth. *Indian Literature*, Vol. 1.1: pp. 4-11 8. Ramamurty, A. 2016. *Indian Philosophy of Religion*. New Delhi: Decent Books 9. Sharma, Arvind. 1990. *A Hindu Perspective on the Philosophy of Religion*. New York: Palgrave Macmillan 10. Sinha, Jadunath. 2016. *A History of Indian Philosophy*, 3 Vols. New Delhi: Motilal Banarsidass 11. Walli, Koshelya. 1977. *Theory of Karman in Indian Thought*. Varanasi: Bharata Mahisha 12. झा, निर्मला कुमारी. 2018. भारतीय दर्शन की मूल अवधारणाएं. मुजफ्फरपुर: अभिधा प्रकाशन 13. त्रिपाठी, वशिष्ठनारायण. 2024. प्रमुख धर्मों का तुलनात्मक विवेचन. वाराणसी:

आराधना प्रकाशन

14. भट्ट, सिद्धेश्वर. 2004. मानव की सेवा में विश्व के प्रमुख धर्म. नई दिल्ली: विद्यानिधि प्रकाशन
15. लाल, बसंत कुमार. 1991. समकालीन भारतीय दर्शन. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास
16. वर्मा, वेद प्रकाश. 1996. धर्मदर्शन मूल समस्याएं. दिल्ली: हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय

Suggested Readings

1. Bhattacharyya, Haridas (ed.). 1953. *The Cultural Heritage of India*, 3 Vols. Calcutta: Ramakrishna Mission, Institute of Culture
2. Dasgupta, S. N. 1922. *A History of Indian Philosophy*, 5 Vols. Cambridge: Cambridge University Press
3. Pappu, S. S. Rama Rao. 1987. *The Dimensions of Karma*. Delhi: Chanakya Publications
4. Tagore, Rabindranath. 1922. *The Religion of Man*. London: George Allen & Unwin Ltd.
5. Radhakrishnan, S. 1919. *The Philosophy of Rabindra Nath Tagore*. London: MacMillan and Co.
6. Radhakrishnan, S. 1996. *Indian Philosophy*, 2 Vols. Delhi: Oxford University Press
7. Singh, Khushwant. 2005. *A History of the Sikhs*, Volume 1: 1469-1839. Delhi: Oxford University Press

आराधना प्रकाशन

14. भट्ट, सिद्धेश्वर. 2004. मानव की सेवा में विश्व के प्रमुख धर्म. नई दिल्ली: विद्यानिधि प्रकाशन
15. लाल, बसंत कुमार. 1991. समकालीन भारतीय दर्शन. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास
16. वर्मा, वेद प्रकाश. 1996. धर्मदर्शन मूल समस्याएं. दिल्ली: हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय

Suggested Readings

1. Bhattacharyya, Haridas (ed.). 1953. *The Cultural Heritage of India*, 3 Vols. Calcutta: Ramakrishna Mission, Institute of Culture
2. Dasgupta, S. N. 1922. *A History of Indian Philosophy*, 5 Vols. Cambridge: Cambridge University Press
3. Pappu, S. S. Rama Rao. 1987. *The Dimensions of Karma*. Delhi: Chanakya Publications
4. Tagore, Rabindranath. 1922. *The Religion of Man*. London: George Allen & Unwin Ltd.
5. Radhakrishnan, S. 1919. *The Philosophy of Rabindra Nath Tagore*. London: MacMillan and Co.
6. Radhakrishnan, S. 1996. *Indian Philosophy*, 2 Vols. Delhi: Oxford University Press
7. Singh, Khushwant. 2005. *A History of the Sikhs*, Volume 1: 1469-1839. Delhi: Oxford University Press

स्तर (Level)	सेमेस्टर (Semester)	विषय कोड (Course Code)	विषय शीर्षक (Course Title)	क्रेडिट (Credits)				अंक (Marks)		
				L	T	P	C	आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment)		बाह्य मूल्यांकन (External Assessment)
								Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)
L7	V	PHL-MDM-511	मानवीय मूल्य और वृत्तिपरक नीतिशास्त्र Human Values and Professional Ethics	5	1	0	6			

90 व्याख्यान/घंटा ((90 lectures/hours)

हिन्दी	English
1. **पाठ्यक्रम उद्देश्य:** विशेष रूप से भारतीय संस्कृति पर आधारित मानवीय मूल्यों के सार्वभौमिक चरित्र का अध्ययन करना। पेशेवर व्यवहार की नैतिक आवश्यकताओं को समझना। व्यक्तिगत और व्यावसायिक संदर्भ में समाधानोन्मुख दृष्टिकोण विकसित करना। **2. अपेक्षित अधिगम परिणाम:** छात्र सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों और आधुनिक व्यावसायिक जीवन में उनकी प्रासंगिकता के बारे में जानेंगे।	**1. Learning Objectives** • To study the universal character of human values grounded particularly in Indian culture • To sense the moral requirements of professional behaviour • To develop a solution-oriented attitude in a personal as well as professional context **2. Course Learning Outcomes** The students will learn universal human values and their relevance in modern professional life.
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी (i) मानवीय मूल्यों की प्रासंगिकता को समझेंगे (ii) पेशेवर जीवन से संबंधित नैतिक मुद्दों को समझेंगे (iii) मानव जीवन की मूलभूत आकांक्षाओं के संबंध में सही समझ विकसित करेंगे (iv) व्यक्ति, परिवार, समाज और प्रकृति के अंतर्संबंध की समग्र समझ प्राप्त करेंगे	After successfully completing this course, students (i) Understand the relevance of human values (ii) Sense the moral issues of the professional life (iii) Develop the right understanding concerning the basic aspirations of human life (iv) Gain a holistic understanding of the interrelatedness of

(v) समाज के प्रति सच्ची सेवा की भावना उत्पन्न कर सकेंगे	individual, family, society, and Nature (v) Engender the spirit of sincere service to society with a philosophical sensitivity
विषय वस्तु **इकाई 1:** मानवीय मूल्य: सार्वभौमिकता और तर्कसंगतता वृत्ति और वृत्तिपरक नैतिकता विभिन्न व्यावसायिक निकायों के वृत्तिपरक आचार-संहिता को समझना नैतिकता के आधारभूत सिद्धांत: कैसे निर्णय करें कि क्या अच्छा है—(अ) परिणामवादी (ब) परिणामनिरपेक्षवादी धर्म की संकल्पना (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 2:** मानव जीवन की मौलिक अभीप्सा: अबाधित सुख एवं समृद्धि मौलिक अभीप्साओं की संपूर्ति की कार्ययोजना सामंजस्यपूर्ण व्यक्तिगत जीवन जीने की योजना व्यक्तिगत स्तर पर सामंजस्य को समझना (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 3:** सामंजस्यपूर्ण पारिवारिक जीवनयापन हेतु आवश्यक मूल्य सामाजिक जीवन में सामंजस्य को समझना प्राकृतिक स्तर पर सामंजस्य को समझना समाज-सेवा: क्या दूसरों के प्रति अच्छा व्यवहार करना इतना कठिन है? (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 4:** कौशल और व्यावसायिक स्वायत्तता निर्णय निर्धारण में नैतिकता व्यावसायिक मानकों और नैतिक नियमों के बीच विरोध 'वर्टिकल रीडिंग' और अभिप्रेरणात्मक चुनौतियाँ (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 5:** लिंग और पर्यावरणीय नैतिकता	**Course Content** **Unit – I** 1. Human Values: Universality and Rationality 2. Profession and Professional Ethics 3. Understanding the Professional Codes of various Professional Bodies 4. Basic Theories of Ethics: How to decide what is Good—(a) Consequentialism (b) Non-consequentialism 5. The Notion of Dharma **Unit - II** 1. Basic Aspirations of Human Life: Continuous Happiness and Prosperity 2. The Program for the fulfillment of Basic Aspirations 3. Conditions of Living a Harmonious Individual Life 4. Understanding Harmony at the level of individual **Unit - III** 1. Essential Values for a Harmonious Family Life 2. Making Sense of Harmony in Social Life 3. Understanding Harmony at the level of Nature 4. Service to the Society: Is Being Good to Others So Difficult? **Unit - IV** 1. Skills and Professional Autonomy 2. Morality in Decision-Making 3. Conflict between Professional Standards and Moral Rules 4. Vertical Reading and Aspirational Challenges

<table>
<tr>
<td>भ्रष्टाचार और व्हिसिल्ब्लोइंग
कल्याण की भावना और बौद्धिक संपदा अधिकार
नैतिक संशयवाद
(18 व्याख्यान/घंटा)</td>
<td>Unit –V
1. Gender and Environmental Ethics
2. Corruption and Whistle-blowing
3. Well-being and Intellectual Property Rights
4. Ethical Skepticism</td>
</tr>
<tr>
<td>Essential Readings
1. Chappell, Richard Yetter. 2020. The Right Wrong-Makers. Philosophy and Phenomenological Research, DOI: 10.1111/phpr.12728
2. Dalmiya, Vrinda. 2016. Caring to Know: Comparative Care Ethics, Feminist Epistemology, and the Mahabharata. Oxford: Oxford University Press.
3. Das, Gurucharan. 1990. The Difficulty of Being Good (Chapter 3). New Delhi: Penguin Books
4. Gaur, R.R. (et al). 2006. A Foundation Course in Human Values and Professional Ethics. New Delhi: Excel Books
5. Goldman, A. 1992. Professional Ethics. In L.C. Becker (ed.) Encyclopedia of Ethics. Chicago: St James Press, pp. 1018-20 (Introductory article)
6. Naagarazan, R.S. 2006. A Text Book on Professional Ethics and Human Values. New Delhi: New Age International (P) Publishers
7. Robinson, Simon (et al). 2007. Engineering, Business and Professional Ethics. Oxford: Elsevier
8. Sinnott-Armstrong, Walter. 2019. Moral Skepticism. The Stanford Encyclopedia of Philosophy. Edward N. Zalta (ed.). <https://plato.stanford.edu/archives/sum2019/entries/skepticism-moral/>

Suggested Readings
1. Chadwick, R. 1998. Professional Ethics. Routledge</td>
<td>Essential Readings
1. Chappell, Richard Yetter. 2020. The Right Wrong-Makers. Philosophy and Phenomenological Research, DOI: 10.1111/phpr.12728
2. Dalmiya, Vrinda. 2016. Caring to Know: Comparative Care Ethics, Feminist Epistemology, and the Mahabharata. Oxford: Oxford University Press.
3. Das, Gurucharan. 1990. The Difficulty of Being Good (Chapter 3). New Delhi: Penguin Books
4. Gaur, R.R. (et al). 2006. A Foundation Course in Human Values and Professional Ethics. New Delhi: Excel Books
5. Goldman, A. 1992. Professional Ethics. In L.C. Becker (ed.) Encyclopedia of Ethics. Chicago: St James Press, pp. 1018-20 (Introductory article)
6. Naagarazan, R.S. 2006. A Text Book on Professional Ethics and Human Values. New Delhi: New Age International (P) Publishers
7. Robinson, Simon (et al). 2007. Engineering, Business and Professional Ethics. Oxford: Elsevier
8. Sinnott-Armstrong, Walter. 2019. Moral Skepticism. The Stanford Encyclopedia of Philosophy. Edward N. Zalta (ed.). <https://plato.stanford.edu/archives/sum2019/entries/skepticism-moral/>

Suggested Readings</td>
</tr>
</table>

Encyclopedia of Philosophy (ed. Edward Craig), Version 1.0. London and New York: Routledge 2. Oakley, Justin and Cocking, Dean. 2001. *Virtue Ethics and Professional Roles.* Cambridge: Cambridge University Press 3. Pojman, L.P. and Pojman, P. 2012. *Environmental Ethics: Readings in Theory and Application* (6th edition). Boston: Wadsworth 4. Robinson, Simon (et al). 2007. *Engineering, Business and Professional Ethics*. Oxford: Elsevier 5. Saint-Martin, Denis & Thompson, Fred (eds.) 2006. *Public Ethics and Governance: Standards and Practices in Comparative Perspective*. London: Elsevier 6. Weber, Max. 2004. Vocation Lectures: “Science as a Vocation”, “Politics as a Vocation”, edited with an introduction by David Owen and Tracy B. Strong; translation by Rodney Livingstone, Cambridge: Hackett Pub.	1. Chadwick, R. 1998. Professional Ethics. Routledge Encyclopedia of Philosophy (ed. Edward Craig), Version 1.0. London and New York: Routledge 2. Oakley, Justin and Cocking, Dean. 2001. *Virtue Ethics and Professional Roles.* Cambridge: Cambridge University Press 3. Pojman, L.P. and Pojman, P. 2012. *Environmental Ethics: Readings in Theory and Application* (6th edition). Boston: Wadsworth 4. Robinson, Simon (et al). 2007. *Engineering, Business and Professional Ethics*. Oxford: Elsevier 5. Saint-Martin, Denis & Thompson, Fred (eds.) 2006. *Public Ethics and Governance: Standards and Practices in Comparative Perspective*. London: Elsevier 6. Weber, Max. 2004. Vocation Lectures: “Science as a Vocation”, “Politics as a Vocation”, edited with an introduction by David Owen and Tracy B. Strong; translation by Rodney Livingstone, Cambridge: Hackett Pub.

<table>
<tr><th rowspan="2">स्तर
(Level)</th><th rowspan="2">सेमेस्टर
(Semester)</th><th rowspan="2">विषय कोड
(Course Code)</th><th rowspan="2">विषय शीर्षक
(Course Title)</th><th colspan="4">क्रेडिट (Credits)</th><th colspan="3">अंक
(Marks)</th></tr>
<tr><th>L</th><th>T</th><th>P</th><th>C</th><th colspan="2">आन्तरिक मूल्यांकन
(Internal Assessment)</th><th>बाह्य मूल्यांकन
(External Assessment)</th></tr>
<tr><td rowspan="2">L7</td><td rowspan="2">V</td><td rowspan="2">PHL-AEC-511</td><td rowspan="2">पर्यावरणीय नीतिशास्त्र
Environmental Ethics</td><td rowspan="2">2</td><td rowspan="2">0</td><td rowspan="2">0</td><td rowspan="2">2</td><td>Mid-I
(20)</td><td>Mid-II
(20)</td><td>End Semester
(60)</td></tr>
</table>

30 व्याख्यान/घंटा ((30 lectures/hours)

<table>
<tr><th>हिन्दी</th><th>English</th></tr>
<tr><td>1. पाठ्यक्रम उद्देश्य:
● पर्यावरण के बारे में प्रमुख नैतिक चिंताओं का अध्ययन करना
● पर्यावरण के प्रति मानवकेंद्रित और गैर मानवकेंद्रित दृष्टिकोण की सीमाओं को समझना
● नैतिक दृष्टिकोण से सतत विकास के विचार को समझना।
2. अपेक्षित अधिगम परिणाम: छात्र पर्यावरण की प्रमुख नैतिक चिंताओं को सीखेंगे।</td><td>1. Learning Objectives
● To study the major ethical concerns about the environment
● To understand the limits of anthropocentric and non-anthropocentric approaches towards the environment
● To make sense of the idea of sustainable development from an ethical perspective
2. Course Learning Outcomes
The students will learn the major ethical concerns of the environment.</td></tr>
<tr><td>इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी
(i) पर्यावरण और पर्यावरणीय नैतिकता की अवधारणा सीखेंगे।
(ii) प्रकृति में तत्वों के अंतर्संबंध को समझेंगे।
(iii) पर्यावरण के प्रति विभिन्न नैतिक दृष्टिकोणों को समझेंगे।
(iv) पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण का मूल्यांकन करेंगे।</td><td>After successfully completing this course, students
(i) Learn the notion of environment and environmental ethics
(ii) Comprehend the interconnectedness of the elements in nature
(iii) Understand various ethical approaches towards the environment
(iv) Evaluate the approaches towards the environment
(v) Understand deep ecology and sustainable development</td></tr>
</table>

<table>
<tr><td>(v) गहन पारिस्थितिकी और सतत विकास को समझेंगे।</td><td></td></tr>
<tr><td>विषय वस्तु
इकाई 1 : नैतिकता और पर्यावरण नैतिकता
प्राकृतिक तत्त्वों तक नैतिक का विस्तार
पर्यावरण के प्रति मानवकेंद्रित और चराचरकेंद्रित दृष्टिकोण
जलवायु परिवर्तन: वास्तविक या कल्पित
(10 व्याख्यान/घंटा)
इकाई 2 : प्राणियों और प्राकृतिक वस्तुओं के संरक्षण संबंधी नैतिक विचार
पर्यावरणीय असमानता: जनसामान्य की त्रासदी
पर्यावरणीय नैतिकता में नस्लवाद
मौलिक पारिस्थितिकी: गहन पारिस्थितिकी (डीप इकोलॉजी) और पारिस्थितिकीय नारीवाद (इको-फेमिनिज्म)
(10 व्याख्यान/घंटा)
इकाई 3 : पश्चाधिकार
भौमिक नैतिकता
भावीपीढ़ीगत समता का प्रश्न और संपोष्य विकास
भारतीय परिप्रेक्ष्य: अस्तित्व की समग्रता और जीवन की कला
(10 व्याख्यान/घंटा)</td><td>Course Content
Unit I
1. Ethics and Environmental Ethics
2. Extension of Moral Standing to the Entities of Nature
3. Anthropocentric and Non-anthropocentric Approaches towards Environment
4. Climate Change: Reality or Myth

Unit II
1. Moral issues in Saving Species and Natural Objects
2. Environmental Inequality: The Tragedy of the Commons
3. Racism in Environmental Ethics
4. Radical Ecology: Deep Ecology and Eco-feminism

Unit III
1. Animal Rights
2. Land Ethics
3. Question of Intergenerational Equity and Sustainable Development
4. Indian Perspectives: Integrality of Existence and Art of Living</td></tr>
<tr><td>Suggested Readings:
1. Brenda, Almond, and Donald, Hill (eds.). 1991. Applied Philosophy: Moral and Metaphysics in Contemporary Debate. New York: Routledge
2. Hargrove Eugene C. 1989. Foundations of Environmental Ethics. New Jersey: Prentice Hall
3. Pojman, Louis P. 1994. Environmental Ethics: Readings in Theory and Applications. Boston: Jones and Bartlett
4. Hanfling, Oswald. 1999. The Quest for Meaning,</td><td>Suggested Readings:
1. Brenda, Almond, and Donald, Hill (eds.). 1991. Applied Philosophy: Moral and Metaphysics in Contemporary Debate. New York: Routledge
2. Hargrove Eugene C. 1989. Foundations of Environmental Ethics. New Jersey: Prentice Hall
3. Pojman, Louis P. 1994. Environmental Ethics: Readings in Theory and Applications. Boston: Jones and Bartlett
4. Hanfling, Oswald. 1999. The Quest for Meaning, Oxford:</td></tr>
</table>

Oxford: Basil & Blackwell 5. Singer, Peter (ed.). 1986. *Applied Ethics,* Oxford: Oxford University Press 6. Singer, Peter. 2011. *Practical Ethics*, Cambridge: Cambridge University Press 7. Sprigge, T.L.S. 1997. *The Rational Foundation of Ethics,* London: Routledge 8. Frankena, W.K. 1973. *Ethics,* Englewood Cliffs: Prentice Hall 9. Leopold, Aldo. 1989. *A Sand County Almanac: And Sketches Here and There,* Oxford: Oxford University Press 10. Jardins, Joseph R. Des. 2013. *Environmental Ethics: An Introduction to Environmental Philosophy*. Boston: Wadsworth	Basil & Blackwell 5. Singer, Peter (ed.). 1986. *Applied Ethics,* Oxford: Oxford University Press 6. Singer, Peter. 2011. *Practical Ethics*, Cambridge: Cambridge University Press 7. Sprigge, T.L.S. 1997. *The Rational Foundation of Ethics,* London: Routledge 8. Frankena, W.K. 1973. *Ethics,* Englewood Cliffs: Prentice Hall 9. Leopold, Aldo. 1989. *A Sand County Almanac: And Sketches Here and There,* Oxford: Oxford University Press 10. Jardins, Joseph R. Des. 2013. *Environmental Ethics: An Introduction to Environmental Philosophy*. Boston: Wadsworth

Semester-VI

स्तर (Level)	सेमेस्टर (Semester)	विषय कोड (Course Code)	विषय शीर्षक (Course Title)	क्रेडिट (Credits)				अंक (Marks)		
				L	T	P	C	आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment)		बाह्य मूल्यांकन (External Assessment)
								Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)
L7	VI	PHL-DSM-611	पश्चिमी धर्म दर्शन Western Philosophy of Religion	5	1	0	6			

90 **व्याख्यान/घंटा** ((90 lectures/hours)

हिन्दी	**English**
1. पाठ्यक्रम उद्देश्य: ● पश्चिम में धर्म संबंधी दार्शनिक विचार का अध्ययन करना ● धार्मिक मतमतान्तरों के बारे में पश्चिमी दृष्टिकोणों का विश्लेषण करना- ● धार्मिक मान्यताओं की अभिव्यक्ति में भाषा की सीमा को समझना **2. अपेक्षित अधिगम परिणाम:** छात्र धार्मिक मान्यताओं, प्रथाओं और संबंधित मुद्दों से संबंधित पश्चिमी दार्शनिक दृष्टिकोण सीखेंगे।	**1. Learning Objectives** • To study the philosophical thinking of religion in the West • To analyze various issues and viewpoints of Western scholars about religious beliefs • To understand the limitation of language in the expression of religious beliefs **2. Course Learning Outcomes** The students will learn the Western philosophical viewpoints related to religious beliefs, practices, and associated issues.
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी (i) धर्म दर्शन से संबंधित मौलिक अवधारणाओं और समस्याओं को समझ लेंगे (ii) ईश्वर के अस्तित्व के तर्कों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे (iii) अशुभ की समस्या के निहितार्थ देख सकेंगे (iv) धार्मिक भाषा की प्रकृति और समस्याओं की समझ विकसित कर लेंगे	After successfully completing this course, students (i) Understand fundamental concepts and problems related to the philosophy of religion (ii) Critically evaluate arguments for the existence of God (iii)See the implications of the problem of evil (iv)Appreciate the nature and problems of religious language (v) Understand the relevance and limitations of religion in the

(v) समाज में धर्म की प्रासंगिकता एवं सीमाओं को समझ सकेंगे	society
विषय वस्तु **इकाई 1:** 1. धर्म का स्वरूप एवं महत्त्व 2. धर्म दर्शन की प्रकृति, समस्याएँ एवं उद्देश्य 3. धर्म दर्शन का धर्मशास्त्र एवं मनोविज्ञान से संबंध 4. धर्म दर्शन की पद्धतियाँ (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 2:** 1. धार्मिक विश्वास की प्रकृति 2. धार्मिक विश्वास का आधार: आस्था, दैवीप्रकाशना, बुद्धि, रहस्यानुभूति 3. धार्मिक चेतना: ज्ञान, इच्छा और भावना 4. अमरता का विचार: स्वरूप और प्रमाण (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 3:** 1. ईश्वर का स्वरूप, ईश्वर के आध्यात्मिक एवं नैतिक गुण 2. ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण और उनका परीक्षण 3. ईश्वर और जगत के बीच संबंध-विषयक सिद्धांत 4. अशुभ की समस्या (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 4:** 1. धार्मिक भाषा स्वरूप और इसके मौलिक सिद्धान्त 2. संज्ञानात्मकता का सिद्धान्त 3. असंज्ञानात्मकता का सिद्धान्त	**Course Content** **Unit I** 1. Nature and Importance of Religion 2. Nature, Problems, and Objectives of Philosophy of Religion 3. Relation of Philosophy of Religion with Theology and Psychology 4. Methods of Philosophy of Religion **Unit II** 1. Nature of Religious Belief 2. Basis of Religious Belief: Faith, Revelation, Reason, Mystic Experience 3. Religious Awareness: Knowledge, Desire, and Emotions 4. The Idea of Immortality: Nature and Proofs **Unit III** 1. Nature of God, Metaphysical and Ethical attributes of God 2. Proofs for the Existence of God and Their Examination 3. Theories about the relationship between God and the World 4. The Problem of Evil **Unit IV** 1. Nature of Religious Language and its Basic Theories 2. Cognitivism 3. Non-cognitivism 4. Semi-Cognitivism **Unit V** 1. Problem of Religious Conversion 2. Secularism

4. अर्द्ध- संज्ञानात्मकता का सिद्धान्त

(18 व्याख्यान/घंटा)

इकाई 5: धर्म के दर्शन के व्यावहारिक पहलू

1. धर्म परिवर्तन की समस्या
2. धर्मनिरपेक्षता
3. धर्मों की मौलिक एकता
4. धार्मिक सहिष्णुता

(18 व्याख्यान/घंटा)

3. Fundamental Unity of Religions
4. Religious Tolerance

Essential Readings:

1. Hick, John. 1990. *Philosophy of Religion*. New Jersey: Prentice Hall
2. Collingwood, R. G. 1968. *Faith and Reason: Essays in the Philosophy of Religion* (ed. Lionel Rubinoff). Chicago: Quadrangle Books
3. Edward, D.M. 1924. *The Philosophy of Religion*. New York: George H. Doran Company
4. Flew, Anthony, and MacIntyre, Alasdair C. 2012. *New Essays in Philosophical Theology*. Church of England: Hymns Ancient & Modern Limited
5. Long, Eugene Thomas (ed.). 2001. *Issues in Contemporary Philosophy of Religion*, Dordrecht: Kluwer Academic Publishers
6. Meister, Chad. 2009. *Introducing Philosophy of Religion*, London: Routledge
7. त्रिपाठी, वशिष्ठनारायण. 2014. प्रमुख धर्मों का तुलनात्मक विवेचन. वाराणसी: आराधना प्रकाशन
8. पाण्डेय, ऋषिकान्त. 2016. धर्म-दर्शन. इलाहाबाद: पियर्सन इंडिया एजुकेशन प्रा.लि.
9. वर्मा, वेद प्रकाश. 1996. धर्मदर्शन मूल समस्याएं. दिल्ली: हिन्दी माध्यम

Essential Readings:

1. Hick, John. 1990. *Philosophy of Religion*. New Jersey: Prentice Hall
2. Collingwood, R. G. 1968. *Faith and Reason: Essays in the Philosophy of Religion* (ed. Lionel Rubinoff). Chicago: Quadrangle Books
3. Edward, D.M. 1924. *The Philosophy of Religion*. New York: George H. Doran Company
4. Flew, Anthony, and MacIntyre, Alasdair C. 2012. *New Essays in Philosophical Theology*. Church of England: Hymns Ancient & Modern Limited
5. Long, Eugene Thomas (ed.). 2001. *Issues in Contemporary Philosophy of Religion*, Dordrecht: Kluwer Academic Publishers
6. Meister, Chad. 2009. *Introducing Philosophy of Religion*, London: Routledge
7. त्रिपाठी, वशिष्ठनारायण. 2014. प्रमुख धर्मों का तुलनात्मक विवेचन. वाराणसी: आराधना प्रकाशन
8. पाण्डेय, ऋषिकान्त. 2016. धर्म-दर्शन. इलाहाबाद: पियर्सन इंडिया एजुकेशन प्रा.लि.
9. वर्मा, वेद प्रकाश. 1996. धर्मदर्शन मूल समस्याएं. दिल्ली: हिन्दी माध्यम

कार्यान्वयन निदेशालय

10. शर्मा, लक्ष्मीनिधि. 2017. धर्म दर्शन की रूपरेखा. इलाहाबाद: अभिव्यक्ति प्रकाशन
11. सिंह, शिव भानु. 2017. धर्म दर्शन का आलोचनात्मक अध्ययन. इलाहाबाद: शारदा पुस्तक भवन
12. सिन्हा, हरेन्द्र प्रसाद. 1987. धर्म-दर्शन की रूप-रेखा. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास

Suggested Readings:

1. Murray, Michael J. and Rea, Michael. 2008. *An Introduction to Philosophy of Religion*, New York: Cambridge University Press
2. Quinn, Philip L., and Taliaferro, Charles (eds.). 1999. *A Companion to Philosophy of Religion*. Blackwell Publishers
3. Wainwright, William J. 2005. *The Oxford Handbook of Philosophy of Religion*. Oxford & New York: Oxford University Press

कार्यान्वयन निदेशालय

10. शर्मा, लक्ष्मीनिधि. 2017. धर्म दर्शन की रूपरेखा. इलाहाबाद: अभिव्यक्ति प्रकाशन
11. सिंह, शिव भानु. 2017. धर्म दर्शन का आलोचनात्मक अध्ययन. इलाहाबाद: शारदा पुस्तक भवन
12. सिन्हा, हरेन्द्र प्रसाद. 1987. धर्म-दर्शन की रूप-रेखा. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास

Suggested Readings:

1. Murray, Michael J. and Rea, Michael. 2008. *An Introduction to Philosophy of Religion*, New York: Cambridge University Press
2. Quinn, Philip L., and Taliaferro, Charles (eds.). 1999. *A Companion to Philosophy of Religion*. Blackwell Publishers
3. Wainwright, William J. 2005. *The Oxford Handbook of Philosophy of Religion*. Oxford & New York: Oxford University Press

स्तर (Level)	सेमेस्टर (Semester)	विषय कोड (Course Code)	विषय शीर्षक (Course Title)	क्रेडिट (Credits)				अंक (Marks)		
				L	T	P	C	आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment)		बाह्य मूल्यांकन (External Assessment)
								Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)
L7	VI	PHL-MDM-611	मानवाधिकार अध्ययन की दार्शनिक आधारशिला Philosophical Foundation of the Study of Human Rights	5	1	0	6			

90 व्याख्यान/घंटा ((90 lectures/hours)

हिन्दी	English
1. पाठ्यक्रम उद्देश्य: • मानवाधिकार की अवधारणाओं और संहिताओं का अध्ययन करना • मानवाधिकारों के लिए कार्यरत विभिन्न संगठनों और संस्थानों के दर्शन के बारे में जानना • मानवाधिकारों में अंतर्निहित मूल्यों की सार्वभौमिकता को समझना **2. अपेक्षित अधिगम परिणाम:** छात्र दुनिया भर में मानवाधिकारों से संबंधित दार्शनिक मुद्दों को सीखेंगे।	**1. Learning Objectives** • To study the concepts and codes of human rights • To learn about the philosophy of various organizations and institutions functional for the cause of human rights • To understand the universality of values underlying human rights **2. Course Learning Outcomes** The students will learn the philosophical issues related to human rights across the globe.
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी (i) मानवाधिकारों की धारणा और उनके दार्शनिक आधारों को समझेंगे। (ii) मानवाधिकारों और मानवों की गरिमा के लिए काम करने वाले विभिन्न संगठनों और संघों के सिद्धांतों के बारे में जानेंगे। (iii) मानवाधिकार, संवैधानिक अधिकार और कानूनी अधिकार के बीच अंतर समझ पायेंगे। (iv) सामाजिक ताने-बाने, सांस्कृतिक मतभेद और राजनीतिक विचारधारा और मानवाधिकारों की सार्वभौमिकता और इसके अनुप्रयोग पर इसके प्रभाव को समझेंगे।	After successfully completing this course, students (i) Understand the notion of human rights and their philosophical underpinnings (ii) Learn about the principles of various organizations and associations working for human rights and the dignity of human beings (iii) Differentiate between human rights, constitutional rights, and legal rights

(v) साथी मनुष्यों के साथ आदर, गरिमा और सम्मान के साथ व्यवहार करने के मूल्य को समझेंगे।	(iv) Understand social fabric, cultural differences, and political ideology and its impact on the universality of human rights and its application (v) Realize the worth of treating fellow human being(s) with respect, dignity, and honour
विषय वस्तु **इकाई 1:** 1. अधिकार की संकल्पना और विभिन्न दार्शनिक दृष्टिकोण 2. मानवाधिकार: अवधारणा और संदर्भ 3. मानवाधिकारों का सार्वभौम घोषणा-पत्र 4. मानवाधिकारों का नैतिक आधार (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 2:** 1. मानवाधिकारों का तत्त्वमीमांसीय और ज्ञानमीमांसीय आधार 2. भारतीय संविधान में मानवाधिकार के सिद्धांत 3. कानूनी अधिकार, मौलिक अधिकार और नीति-निर्देशक सिद्धांत 4. भारतीय परिप्रेक्ष्य में मानवाधिकार एवं कर्तव्य (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 3:** 1. प्रकृतिवाद और मानवाधिकार 2. भाववाद और मानवाधिकार 3. मानवाधिकारों की सार्वभौमिकता 4. सांस्कृतिक सापेक्षता, सांस्कृतिक सार्वभौमिकता और मानवाधिकार (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 4:** 1. पर्यावरणीय अधिकार और मानवाधिकार 2. मानवाधिकार एवं संपोष्य विकास के प्रतिमान 3. बाजारवाद और मानवाधिकार 4. वैश्विक निर्धनता और मानवाधिकार (18 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 5:** **1.** उत्तर-आधुनिकतावाद और मानवाधिकार	**Course Content** **Unit I** 1. The Notion of Right and Different Philosophical Approaches to it 2. Human rights: Concept and Context 3. Universal Declaration of Human Rights 4. Moral Foundations of Human Rights **Unit II** 1. The Metaphysical and Epistemological Foundations of Human Rights 2. The Principles of Human Rights in the Indian Constitution 3. Legal Rights, Fundamental Rights, and Directive Principles 4. Human Rights and Duties from an Indian Perspective **Unit III** 1. Naturalism, and Human Rights 2. Positivism, and Human Rights 3. Universality of Human Rights 4. Cultural Relativism, Cultural Universalism, and Human Rights **Unit IV** 1. Environmental Rights and Human Rights 2. Human Rights and Sustainable Development Goals 3. Marketism and Human Rights 4. World Poverty and Human Rights

2. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मानवाधिकार 3. वैश्विक शासन और मानव अधिकार 4. मानवाधिकार और जनकल्याण 5. मानवाधिकार का मिथक (18 व्याख्यान/घंटा)	**Unit V** 1. Postmodernism and Human Rights 2. Artificial Intelligence and Human Rights 3. Global Governance and Human Rights 4. Human Rights and Human Well-Being 5. Myth of Human Rights
Suggested Readings: 1. Wingate, Allan. 1949. *Human Rights – Comment and Interpretation*. Paris: UNESCO 2. Cohen, J. 2004. Minimalism About Human Rights: The Most We Can Hope For? *Journal of Political Philosophy*, Vol. 12. pp: 90–213 3. O'Byrne, Darren. 2007. *Human Rights. An Introduction*. New Delhi: Pearson 4. Alston, Philip (ed.). 1992. *The United Nations and Human Rights: A Critical Appraisal*. Oxford: Clarendon Press 5. Corradetti, C. 2009. *Relativism and Human Rights*, New York: Springer 6. Cruft, R., Liao, S., and Renzo, M. (eds.). 2015. *Philosophical Foundations of Human Rights*. Oxford: Oxford University Press 7. Ernst, G. and Heilinger, J. (eds.). 2011. *The Philosophy of Human Rights: Contemporary Controversies*. Berlin: De Gruyter 8. Gilabert, P. 2018. *Human Dignity and Human Rights*. Oxford: Oxford University Press 9. Hayden, P. (ed.). 2001. *The Philosophy of Human Rights*, St. Paul, MN: Paragon Press 10. Hayward, T. 2005. *Constitutional Environmental Rights*. Oxford: Oxford University Press 11. Lafont, C. 2013. *Global Governance and Human Rights*.	**Suggested Readings:** 1. Wingate, Allan. 1949. *Human Rights – Comment and Interpretation*. Paris: UNESCO 2. Cohen, J. 2004. Minimalism About Human Rights: The Most We Can Hope For? *Journal of Political Philosophy*, Vol. 12. pp: 90–213 3. O'Byrne, Darren. 2007. *Human Rights. An Introduction*. New Delhi: Pearson 4. Alston, Philip (ed.). 1992. *The United Nations and Human Rights: A Critical Appraisal*. Oxford: Clarendon Press 5. Corradetti, C. 2009. *Relativism and Human Rights*, New York: Springer 6. Cruft, R., Liao, S., and Renzo, M. (eds.). 2015. *Philosophical Foundations of Human Rights*. Oxford: Oxford University Press 7. Ernst, G. and Heilinger, J. (eds.). 2011. *The Philosophy of Human Rights: Contemporary Controversies*. Berlin: De Gruyter 8. Gilabert, P. 2018. *Human Dignity and Human Rights*. Oxford: Oxford University Press 9. Hayden, P. (ed.). 2001. *The Philosophy of Human Rights*, St. Paul, MN: Paragon Press 10. Hayward, T. 2005. *Constitutional Environmental Rights*. Oxford: Oxford University Press 11. Lafont, C. 2013. *Global Governance and Human Rights*.

Amsterdam: Van Gorcum 12. Reinbold, J. 2017. *Seeing the Myth in Human Rights*. Philadelphia: University of Pennsylvania Press	Amsterdam: Van Gorcum 12. Reinbold, J. 2017. *Seeing the Myth in Human Rights*. Philadelphia: University of Pennsylvania Press

स्तर (Level)	सेमेस्टर (Semester)	विषय कोड (Course Code)	विषय शीर्षक (Course Title)	क्रेडिट (Credits)				अंक (Marks)		
				L	T	P	C	आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment)		बाह्य मूल्यांकन (External Assessment)
								Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)
L7	VI	PHL-SEC-611	अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र Applied Ethics	2	0	0	2			

30 व्याख्यान/घंटा ((30 lectures/hours)

हिन्दी	English
1. पाठ्यक्रम उद्देश्य: • व्यावहारिक नैतिकता की अवधारणाओं और चिंताओं का अध्ययन करना • मानव गतिविधि के विभिन्न क्षेत्रों में नैतिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग को सीखना • विभिन्न व्यवसायों में अंतर्निहित मूल्यों की सार्वभौमिकता को समझना **2. अपेक्षित अधिगम परिणाम:** छात्र व्यावहारिक नैतिकता की प्रकृति और दैनिक जीवन से जुड़ी इसकी चिंताओं के बारे में जानेंगे।	**1. Learning Objectives** • To study the concepts and concerns of applied ethics • To learn the application of moral principles in different domains of human activity • To understand the universality of values underlying various professions **2. Course Learning Outcomes** The students will learn the nature of applied ethics and its concerns with day-to-day life.
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी (i) व्यावहारिक नैतिकता की अवधारणाओं को समझेंगे (ii) व्यावहारिक नैतिकता को अन्य नैतिक प्रवचनों से अलग समझ सकेंगे (iii) विभिन्न मानवीय कार्यों में नैतिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग की समझ विकसित कर पाएंगे (iv) नैतिक आवश्यकताओं की समग्र समझ विकसित कर पाएंगे (v) मानव गतिविधि के विभिन्न क्षेत्रों में नैतिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग को जान सकेंगे	After successfully completing this course, students (i) Understand the concepts of applied ethics (ii) Differentiate applied ethics from other ethical discourse (iii) Develop an understanding of the application of moral principles in different human engagements (iv) Gain a holistic understanding of moral requirements (v) Learn the application of moral principles in different domains of human activity

विषय वस्तु **इकाई 1 :** 1. नीतिशास्त्र एवं अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र का परिचय 2. व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में नैतिक समस्याएँ 3. नैतिकता के आधारभूत सिद्धांत: कैसे निर्णय करें कि क्या अच्छा है—(अ) परिणामवादी (ब) परिणामनिरपेक्षवादी 4. न्याय और मानवीय समता की संकल्पना (10 व्याख्यान/घंटा) **इकाई : 2** 1. अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र की समस्यायें: अनुकम्पामृत्यु, गर्भपात, लिङ्गभेद, निर्धनता उन्मूलन हेतु अंतर्देशीय सहायता, प्राकृतिक सम्पदा का दोहन, मानव तस्करी, शरणार्थी समस्या इत्यादि 2. औद्योगिक नीतिशास्त्र 3. व्यावसायिक नीतिशास्त्र 4. कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (10 व्याख्यान/घंटा) **इकाई 3 :** 1. वृत्तिपरक नीतिशास्त्र: तकनीकी नीतिशास्त्र, चिकित्सीय नीतिशास्त्र, विधिक नीतिशास्त्र, शोध नीतिशास्त्र, संचार नीतिशास्त्र 2. चराचर समवेदी समानता की भारतीय दृष्टि 3. ऋत्, ऋण, पंचमहायज्ञ, साधारण धर्म (प्रशस्तपाद और मनु) 4. अणुव्रत, शीलपारमिता (10 व्याख्यान/घंटा)	**Course Content** **Unit I** 1. Introduction to Ethics and Applied Ethics 2. Moral Issues in Personal and Professional Life 3. Basic Theories of Ethics: How to decide what is Good—(a) Consequentialism (b) Non-Consequentialism 4. The Notion of Justice and Human Equality **Unit II** 1. Problems of Applied Ethics: Euthanasia, Abortion, Gender Discrimination, International Assistance for the Alleviation of Poverty, Exploitation of Natural Resources, Human Trafficking, Refugee Issues, etc. 2. Industrial Ethics 3. Business Ethics 4. Corporate Social Responsibility **Unit III** 1. Professional Ethics: Engineering Ethics, Medical Ethics, Legal Ethics, Research Ethics, Media Ethics 2. Indian Perspective: Non-anthropocentric Notion of Equality 3. Rit, Rina, Panchamahayajna, Sadharana Dharma (Prashastapada and Manu) 4. Anuvrata and Shilaparmita
Suggested Readings: 1. Chadwick, R. 1998. Professional Ethics. *Routledge Encyclopedia of Philosophy* (ed. Edward Craig). New York:	**Suggested Readings:** 1. Chadwick, R. 1998. Professional Ethics. *Routledge Encyclopedia of Philosophy* (ed. Edward Craig). New York:

Routledge.

2. Das, Gurucharan. 1990. *The Difficulty of Being Good* (Chapter 3). New Delhi: Penguin Books.
3. Callahan, Joan. 1988. *Ethical Issues in Professional Life*. New York: OUP
4. चौरसिया, एम.पी. 2006. अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास, प्रथम संस्करण 2006
5. Arnold, D. G., Beauchamp, Tom, and Bowie, Norman. 2012. *Ethical Theory and Business* (9th edition). Pearson
6. Frey, R.G. and Wellman, C.H. 2003. *A Companion to Applied Ethics*. Oxford: Blackwell Publishing
7. LaFollette, Hugh. 2003. *The Oxford Handbook of Practical Ethics*. Oxford: OUP
8. मिश्र, नित्यानन्द .(4 खण्ड) सिद्धान्त और व्यवहार :नीतिशास्त्र .2017 .दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास
9. Nussbaum, Martha C. 1999. *Sex and Social Justice*. New York: Oxford University Press
10. Rawls, John. 1971. *A Theory of Justice*. Cambridge: Harvard University Press
11. Singer, Peter. 2018. *Practical Ethics*. Cambridge: Cambridge University Press

Routledge.

2. Das, Gurucharan. 1990. *The Difficulty of Being Good* (Chapter 3). New Delhi: Penguin Books.
3. Callahan, Joan. 1988. *Ethical Issues in Professional Life*. New York: OUP
4. चौरसिया, एम.पी. 2006. अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास, प्रथम संस्करण 2006
5. Arnold, D. G., Beauchamp, Tom, and Bowie, Norman. 2012. *Ethical Theory and Business* (9th edition). Pearson
6. Frey, R.G. and Wellman, C.H. 2003. *A Companion to Applied Ethics*. Oxford: Blackwell Publishing
7. LaFollette, Hugh. 2003. *The Oxford Handbook of Practical Ethics*. Oxford: OUP
8. मिश्र, नित्यानन्द .(4 खण्ड) सिद्धान्त और व्यवहार :नीतिशास्त्र .2017 .दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास
9. Nussbaum, Martha C. 1999. *Sex and Social Justice*. New York: Oxford University Press
10. Rawls, John. 1971. *A Theory of Justice*. Cambridge: Harvard University Press
11. Singer, Peter. 2018. *Practical Ethics*. Cambridge: Cambridge University Press